RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 162 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, गुरूवार 31 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

महंगाई पर कांग्रेस का हल्लाबोल

'चुनाव खत्म लूट चालू' के नारे के साथ प्रदर्शन

सड़क पर उतरे कांग्रेसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के बढ़ते दामों और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस पार्टी आज यानी गुरुवार को देशभर में प्रदर्शन कर रही है। इस प्रदर्शन को असरदार बनाने के लिए राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता सड़क पर उतरे हैं। प्रदर्शन के दौरान सभी नेता 'चुनाव खत्म लूट चालू' के नारे लगाते नजर आए।

पेट्रोल-डीजल और अन्य चीजों के दाम अनावश्यक बढ़ रहे हैं: खड़गे

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हर दिन पेट्रोल-डीजल और अन्य चीजों के दाम अनावश्यक बढ़ रहे हैं और इसका परिणाम आवश्यक वस्तुओं पर हो रहा है इसलिए आज हम राहुल गांधी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहें। कांग्रेस की मांग है कि यूपीए सरकार के दौरान जो कीमतें थी वो किया जाना चाहिए।

पूरे देश में हमारा प्रदर्शन चलेगा और काफी दिनों तक चलेगा: राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पिछले 10 दिन में 9 बार पेट्रोल-डीज़ल के दाम बढ़ाए गए हैं और इसका परिणाम मध्यम वर्ग और गरीब लोगों पर पड़ता है। हमारी मांग है कि सरकार पेट्रोल-डीज़ल के दाम को बढ़ाना बंद करें। पूरे देश में हमारा प्रदर्शन चलेगा और काफी दिनों तक चलेगा।

जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तब हर चीज के दाम बढ़ते हैं: थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तब हर चीज के दाम बढ़ते हैं। जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम सबसे कम थे तब भी यह सरकार पेट्रोल-डीज़ल के दाम बढ़ा रही थी। 101 रुपये का तेल भराने में 52 रुपये सरकार के पास एक्साइज टैक्स के रूप में जा रहे हैं।

मोदी सरकार आम लोगों की जेबों पर डाका डाल रहे: अधीर रंजन

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार जैसे आम लोगों की जेबों पर डाका डाल रहे हैं उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। 10 दिनों में 9 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने से मोदी जी ने एक इतिहास बना दिया। 137 दिनों बाद धड़ल्ले से दाम बढ़ रहे हैं। हमारी मांग है कि यह दाम सरकार वापस ले।

राज्यसभा से 72 सांसद रिटायर पर बोले पीएम मोदी, कहा-अनुभवी साथियों के जाने की कमी हमेशा खलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के उच्च सदन राज्यसभा से आज 72 सांसद रिटायर हो गए। इन नेताओं में कपिल सिब्बल, पी. चिदंबरम, जयराम रमेश और एके एंटनी जैसे कई दिग्गज नेता शामिल हैं। इसके अलावा भाजपा के नेता सुब्रमण्यन स्वामी भी रिटायर हो गए हैं। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में विदाई भाषण के दौरान कहा कि मेरी कामना है कि आप सभी लोग वापस लौट कर सदन में आएं। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारे राज्यसभा सांसदों का लंबा अनुभव रहा है। कई बार अनुभव अकादमिक ज्ञान से भी ज्यादा अहम होता है। मैं रिटायर हो रहे सदस्यों से कहूंगा कि लौट कर आना।'

पीएम मोदी ने कहा कि हमने संसद में लंबा वक्त साथ गुजारा है। इस सदन ने हमारी जिंदगी में अहम योगदान दिया है, जितना हमने उसके लिए किया है, उससे कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस सदन के सदस्य के तौर पर सांसदों को देश की चारों दिशाओं का अनुभव हासिल होता है। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मैं और कांग्रेस पार्टी बहुत कुछ खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में आनंद शर्मा से विदेश मामलों में मैंने हमेशा सीखा था। खड़गे ने कहा कि एके एंटनी ज्यादा बोलते नहीं थे, लेकिन उनकी सलाह हमेशा अहम रही है। उन्होंने कहा कि एके एंटनी ने बहुत से काम किए, लेकिन कभी उन चीजों के लिए क्रेडिट नहीं लिया।

विदाई तो है दस्तूर पुराना, खड़गे ने सुनाया तराना

कांग्रेस नेता ने पी. चिदंबरम के रिटायरमेंट पर खड़गे ने कहा कि वह आर्थिक मामलों और कानूनी मसलों के बड़े ज्ञाता रहे हैं। राज्य सभा में उन्होंने हमेशा बेहद संजीदगी के साथ अपनी बात रखी थी। शायराना अंदाज में खड़गे ने कहा, 'आपके साथ कुछ लम्हे और कई यादें बतौर इनाम मिले, आपके साथ सफर पर निकले और अनुभव तमाम मिले।' एक और शेर सुनाते हुए कांग्रेस के लीडर ने कहा, 'विदाई तो है एक दस्तूर पुराना, पर ऐसी छाप छोड़ जाओ कि हर कोई गाए आपका तराना।' कांग्रेस के नेता ने कहा कि राजनीतिक शख्स कभी लोग रिटायर नहीं होते। आप मजबूती से रहिए, हम सदैव आपके साथ रहेंगे।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में मिले कोरोना के सात नए मामले, कोई मौत नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बुधवार को कोविड-19 के सात नए मामले सामने आए। इसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11,52,118 हो गई, जबकि राज्य में संक्रमण के कारण कोई नई मौत नहीं हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी कि मरने वालों की संख्या 14,034 है जो अपरिवर्तित है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पांच व्यक्तियों को अस्पतालों से छुट्टी देने के बाद ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 11,37,958 हो गई। जबकि 26 अन्य लोगों ने दिन के दौरान अपने घर में आइसोलेशन की अवधि पूरी की। उन्होंने कहा राज्य में अभी 126 सक्रिय मामले हैं।

अधिकारी ने कहा कि 24 जिलों में कोरोना वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि दिन के दौरान 9,706 स्वाब नमूनों की जांच के साथ, छत्तीसगढ़ में अब तक किए गए परीक्षणों की संख्या 1,74,96,642 हो गई है।

सीएम बघेल अप्रैल माह में करेंगे प्रदेश के सभी जिलों का दौरा, प्रदेश में चल रही योजनाओं का लेंगे फीडबैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार के कामकाज को तीन साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। इस दौरान सरकार ने कई योजनाएं बनाई और उन्हें धरातल भी लाया। प्रदेश के अंतिम छोर तक यह योजनाएं पहुंच रही है या नहीं इसकी समीक्षा के लिए सीएम बघेल अगले माह से पूरे छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के विभिन्न जिलों के भ्रमण के दौरान राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। बघेल जिलों में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, जल जीवन मिशन, चिटफंड आवेदनों की स्क्रूटनी की प्रगति, सी-मार्ट की स्थापना-संचालन, शालाओं में अच्छे शौचालय का निर्माण एवं उपयोग को लेकर स्थानीय स्तर पर रिपोर्ट लेंगे।

जिलों के भ्रमण के दौरान सीएम बघेल मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम और आश्रम में रूरल इंस्ट्रीयल पार्क तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में काम कर रहे समूहों के उत्पादों के क्रय की स्थिति तथा ग्रामीण हाट बाजार क्लिनिक योजना की प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। यही नहीं मुख्यमंत्री बघेल विभिन्न जिलों में गौठानों के संचालन, अधिकारियों द्वारा गौठानों के किए गए निरीक्षण की भी समीक्षा करेंगे।

इसके अलावा स्व-सहायता समूहों को समय से भुगतान की स्थिति, खरीफ सीजन 2022 में 5 लाख हेक्टेयर में धान के बदले अन्य फसल लेने की तैयारी, सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की स्थापना, प्रमुख नदियों में गंदे नालों का प्रवाह रोकने तथा एसटीपी के निर्माण, आगामी खरीफ में वर्मी कम्पोस्ट के अधिक से अधिक उपयोग की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मुख्य सचिव अमिताभ जैन विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री के भ्रमण की तैयारियों के सिलसिले में एक अप्रैल को वर्चुअल बैठक में जिलों में राज्य सरकार की इन महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी कमिश्नरों, कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शामिल होने के निर्देश जारी किए गए हैं।

डोंगरगढ़ पैदल दर्शनार्थियों के लिए इस बार पुराना मार्ग रहेगा बंद, नया रूट तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शक्ति और भक्ति का पर्व नवरात्रि 2 अप्रैल से प्रारंभ हो रहा है। इस दौरान पैदल श्रद्धाओं की भीड़ मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं को कोई तकलीफ न हो इसका शासन-प्रशासन पूरा ध्यान रखने की कोशिश मे लगे रहते हैं। इस बार भी खासकर पुलिस प्रशासन रूट चार्ट तैयार कर लिया।

चैत्र नवरात्रि के दौरान पैदल डोंगरगढ़ जाने वाले दर्शनार्थियों के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन के लिए मार्ग व्यवस्था को लेकर पुलिस नियंत्रण कक्ष सेक्टर-6 भिलाई में अधिकारियो की बैठक में इस पर पूरा खाका तैयार किया गया। नवरात्रि में डोंगरगढ़ जाने वाले पदयात्री प्रत्येक वर्ष कुम्हारी, चरोदा, भिलाई-3, खुर्सीपार, सुपेला, सेक्टर एरिया, दुर्ग से निकलकर पुलगांव, अंजोरा होते हुए राजनांदगांव की ओर जाते रहे हैं। चूंकि इस बार जीई रोड पर फ्लाई ओव्हर निर्माण कार्य के कारण सड़क संकरा है। इस कारण पदयात्रा मार्ग को परिवर्तित किया गया है। प्रतिवर्ष पावर हाउस चौक से सुपेला की ओर जाते थे। इस बार खुर्सीपार तिराहा से रेल्वे फाटक क्रास कर मुर्गा चौक से सेन्ट्रल एवेन्यु होते हुए सेक्टर 9 चौक से ठगड़ाबांध ओव्हर ब्रिज से जेल तिराहा से महाराजा चौक होते हुए पुलगांव चौक, शिवनाथ नदी ब्रिज होते हुए अंजोरा बायपास से जाएंगे।

राज्य के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी गहलोत सरकार ने तीन फीसदी बढ़ाया डीए

जयपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के कर्मचारियों को खुशखबरी दी है। सीएम गहलोत ने राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनर्स के महंगाई दर में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। अब राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स को 1 जनवरी 2022 से 34 फीसदी महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दर देय होगी। पहले 31 फीसदी महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दर दी जा रही थी।

गहलोत सरकार के इस निर्णय का लाभ राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम-2017 के आधार पर वेतन प्राप्त कर रहे करीब 8 लाख अधिकारियों-कर्मचारियों को मिलेगा। इनके साथ ही 4 लाख 40 हजार पेंशनर्स भी लाभ के दायरे में आएंगे। यह लाभ राज्य कर्मचारियों के अतिरिक्त कार्य प्रभारित, पंचायत समिति और जिला परिषद के कर्मचारियों को भी देय होगा।

थियेटर में इंटरवेल पर दिखाए जा रहे विज्ञापन पर हिंदू संगठन का हंगामा, कहा- यह धर्मांतरण के लिए उकसाने वाला ऐड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धर्मांतरण को लेकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। फिल्म दिखाए जाने के दौरान इंटरवेल में थिएटर प्रबंधन द्वारा एक विज्ञापन दिखाए जाने को लेकर यह बवाल हुआ। भिलाई के सुपेला स्थित वेंकटेश्वरा थिएटर में फिल्म आरआरआर चल रही है। बुधवार को दोपहर के शो के दौरान बड़ी संख्या में विहिप व बजरंग दल सहित अन्य हिंदू संगठनों के लोग विज्ञापन की सामग्री को लेकर विहिप-बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। बवाल बढ़ता देख थिएटर मैनेजर ने माफी मांग उक्त विज्ञापन दोबारा नहीं दिखाने की बात कही है।

थियेटर के बाहर पहुंच गए। कार्यक्रर्ताओं ने आरोप लगाया कि थिएटर प्रबंधन द्वारा धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। थिएटर के सामने विहिप-बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करने लगे। बजरंग दल दुर्ग के विभाग संयोजक रवि निगम ने बताया कि फिल्म के इंटरवेल में धर्म विशेष के प्रचार से संबंधत विज्ञापन दिखाया जा रहा है। यह मामला कहीं-न-कहीं यह धर्मांतरण कराने के एजेंडे का है।

विज्ञापन दोबारा नहीं दिखाने लिखित में माफी

रवि निगम का कहना ने बताया कि विज्ञापन में ईसाई धर्म का प्रचार किया जा रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि यीशू की शरण में एक न एक दिन सभी को आना होगा। विहिप व बजरंग दल के इस प्रदर्शन को देखते हुए थिएटर प्रबंधन ने इसके लिए लिखित में माफी मांगी है। प्रबंधन ने कहा कि उनका धर्मांतरण वाला कोई इरादा नहीं है। थिएटर प्रबंधन ने उक्त विज्ञापन को दोबारा नहीं दिखाने की बात कही है। प्रदर्शन के दौरान सुपेला थाने की पुलिस भी मौके पर ही रही। इस विरोध प्रदर्शन में विहिप-बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ ही मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

गोबर के बाद अब गौ-मूत्र खरीदने की तैयारी टेक्निकल कमेटी 15 दिनों में देगी रिपोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गोबर खरीदी के बाद प्रदेश सरार अब गौ-मूत्र की खरीदी पर विचार कर रही है। सीएम भूपेश बघेल की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित बैठक में गौ-मूत्र खरीदी पर मंत्रणा की गई। सीएम ने गौ-मूत्र खरीदी के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने टेक्निकल कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। इस कमेटी में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कामधेनु विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा। कमेटी 15 दिनों में रिपोर्ट सरकार को देगी।

बैठक में बताया गया कि गौ-मूत्र से बॉयो फर्टिलाइजर और बॉयो इनसेक्टिसाइडस तैयार किए जाते हैं। गौ-मूत्र में यूरिया सहित अनेक मिनिरल और इंजाइम्स भी होते हैं। फर्टिजलाइजर के रूप में

गौ-मूत्र का उपयोग करने से सूक्ष्म पोषक तत्व नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश का अवशोषण बढ़ता है। पौधों की ऊंचाई और जड़ में अच्छी वृद्धि होती है। मिट्टी में लाभकारी जीवाणु बढ़ते हैं और गौ-मूत्र में पाये जाने वाला यूरिया बहुत से कीटों और बीमारियों को कम करता है। खेती में रासायनिक खाद की जगह गौमूत्र के उपयोग की योजना पर काम चल रहा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में गोबर से बिजली, दीया, गमला, नेचुरल पेंट, अगरबत्ती, गोकाष्ठ और वर्मी कम्पोस्ट अभी बन रहा है।

छत्तीसगढ़ में 111 लाख से अधिक पशु

बैठक में यह भी बताया कि प्रदेश में गौ-वंशीय और भैंस वंशीय पशुओं की संख्या 111 लाख से अधिक है। प्रति पशु औसतन प्रतिदिन 7 लीटर गौ-मूत्र विसर्जित करता है। अब टेक्निकल कमेटी गौ-मूत्र के संग्रहण, गौ-मूत्र की गुणवत्ता की टेस्टिंग, गौ-मूत्र से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में अपनी रिपोर्ट 15 दिनों में सरकार को देगी। सीएम भूपेश बघेल ने इससे पहले मुख्य सचिव को रासायनिक खाद की जगह कृषि में गोमूत्र के वैज्ञानिक उपयोग की संभावनाओं के संबंध में कार्ययोजना तैयार कर कहा था। सीएम ने महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल और उनसे तैयार प्रोडक्ट के लिए पोटेंशियल मैपिंग का काम 15 दिनों में पूरा करने अफसरों को निर्देश दिए हैं।

पिछले दस दिनों से हड़ताल पर वन्यकर्मी जंगलों में आग बुझाने वाला कोई नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनकर्मी 21 मार्च से हड़ताल पर हैं और इसके चलते जंगलों की सुरक्षा दांव पर लगी है। गर्मी तेज होते ही प्रदेश भर के जंगलों में आग लगने की घटनाएं शुरू हो गई हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 10 हजार 536 से अधिक जगहों पर आग लगी है। हालांकि, वन विभाग के अफसर वन समिति और फायर विभाग की टीम के जरिए आग को काबू में करने का दावा कर रहे हैं। जंगलों में लगी आग से वन्य प्राणी झुलसने लगे हैं और जंगल से बाहर निकल रहे हैं। सोमवार की शाम करीब 6 बजे अचानकमार टाइगर रिजर्व में तेंदुआ टहलते हुए दिखाई दिया, जिसका वीडियो भी सामने आया है। माना जा रहा है कि जंगल में आग लगने के कारण ही वन्य प्राणी इधर-उधर भटक रहे हैं। पिछले आठ दिन से कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इधर, भीषण गर्मी शुरू होते ही जंगलों में आग लगने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। सामान्य तौर पर जंगलों में आग लगने का सीजन 16 फरवरी से 15 जून तक हर साल होता है। ऐसे में वनकर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से जंगलों में लगी आग तेजी से फैल रही है। आग बुझाने वाला भी कोई नहीं है। भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट जंगलों में लगी आग का सैटेलाइट से निगरानी करता है। फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया ने इस सीजन में अभी तक 10 हजार 536 जगहों पर आग लगने का आंकड़ा दर्ज किया है।

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि वन कर्मचारी जंगल को आग से जलने की खबर सुनकर आहत हैं। उनके हड़ताल में जाने से जंगल की सुध लेने वाला कोई नहीं है। वन विभाग के हड़ताली कर्मियों ने बच्चों को रक्षा सूत्र बांधने के साथ ही एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर इस अधिकार की लड़ाई में अपनी मांगों को पूरा होने तक हर हाल में एकजुट रहने के लिए संकल्प लिया।

संपादकीय

पूर्वोत्तर में नई उम्मीद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मध्यस्थता के कारण असम और मेघालय के बीच करीब पांच दशक पुराने सीमा विवाद को खत्म करने को लेकर बनी सहमति एक बड़ी कामयाबी है। यकीनन, इससे भारतीय संघ-राज्य की परिकल्पना और मजबूत हुई है। संघीय ढांचे में दो राज्यों या दो प्रशासनिक इकाइयों के बीच भौगोलिक सीमाओं या संसाधनों के बंटवारे को लेकर मतभेद एक सामान्य बात है। ऐसे किसी विवाद में आदर्श स्थिति तो यही है कि संबंधित सूबों के मुख्यमंत्री या प्रशासक भारतीय संविधान की भावना का आदर करते हुए आपसी समझ-बूझ से इसे दूर कर लें, क्योंकि सभी प्रदेशों में बसने वाले लोग अंतत: अखंड भारत के ही नागरिक हैं और किसी के हितों की अनदेखी उचित नहीं है। पर अमूमन ऐसा होता नहीं है, मुद्दे उलझते जाते हैं और फिर वे केंद्र के पास या अदालत की शरण में पहुंच जाते हैं। कई बार तो ये हिंसक मोड़ भी ले लेते हैं, जैसा कि असम और मेघालय के मामले में पिछली जुलाई में हुआ था। तब दोनों सूबों के सुरक्षाबलों की झड़प में असम पुलिस के कई जवानों की जान चली गई थी और केंद्र को हस्तक्षेप करना पड़ा था।

> केंद्र सरकार इसका लाभ उठाते हुए यदि वहां व्यापक क्षेत्रीय समझ विकसित कर सकी, तो पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे भारत को इसका फायदा होगा। देश के कई पड़ोसी प्रदेशों में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की सरकारें हैं, जिनके बीच दशकों से तरह-तरह के विवाद हैं। उनके लिए भी यह समझौता एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है।

सन् 1972 में असम से ही काटकर मेघालय का गठन हुआ था और तभी से करीब 500 वर्गमील इलाके पर अधिकार को लेकर दोनों राज्यों में अनबन रही है। ऐसे में, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद अब दोनों पड़ोसी राज्यों ने विवाद के 12 में से छह बड़े बिंदुओं पर समझौता कर लिया है। उम्मीद है, बकाया मुद्दे भी जल्द सुलझा लिए जाएंगे। वैसे भी, दोनों प्रदेशों में एनडीए की सरकारें हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरू से खास तौर पर पूर्वोत्तर के आर्थिक विकास की पैरोकारी करते रहे हैं। उनकी सरकार बखूबी जानती है कि जब तक इन प्रदेशों में स्थायी शांति नहीं होगी, तब तक उनका विकास अवरुद्ध रहेगा। इसीलिए पूर्वोत्तर के प्रदेशों में कई स्तरों पर शांति-वार्ताएं की जाती रही हैं, और इनके नतीजे भी मिले हैं। खुद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा है, पिछले तीन वर्षों के दौरान इन प्रदेशों में 6,900 सशस्त्र विद्रोहियों ने आत्म-समर्पण किया है।

यह दुखद है कि देश के दो सबसे खूबसूरत भौगोलिक इलाके, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर ज्यादातर अशांति की चपेट में रहे और न तो विदेशी-घरेलू पर्यटकों की मेजबानी के जरिये ये अपना आर्थिक हित साध सके, और न ही देश की औद्योगिक तरक्की का लाभ उठा सके। इन प्रदेशों में न रेलवे का विस्तार हुआ और न ही सड़कों का पर्याप्त विकास हो सका। निस्संदेह, इन प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व की यह सामूहिक विफलता है, क्योंकि उन्होंने अपने सियासी नफे-नुकसान के कारण क्षेत्रीय आकांक्षाओं की लगातार अनदेखी की। ऐसे में, असम और मेघालय के बीच हुआ ताजा समझौता नई आशा जगाता है कि पूर्वोत्तर में अमन बहाली के काम को अब और गति मिल सकेगी। चूंकि असम के मुख्यमंत्री पिछले कई वर्षों से पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पार्टी के बड़े रणनीतिकारों में शामिल रहे हैं, ऐसे में स्थानीय हितधारकों से उनका संपर्क-संवाद स्वाभाविक है। केंद्र सरकार इसका लाभ उठाते हुए यदि वहां व्यापक क्षेत्रीय समझ विकसित कर सकी, तो पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे भारत को इसका फायदा होगा। देश के कई पड़ोसी प्रदेशों में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की सरकारें हैं, जिनके बीच दशकों से तरह-तरह के विवाद हैं। उनके लिए भी यह समझौता एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है।

खतरनाक है, यह अल्पसंख्यकवाद

इधर सर्वोच्च न्यायालय में एक बड़ी मजेदार याचिका पेश की गई है, अश्विनी उपाध्याय के द्वारा! उन्होंने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि अल्पसंख्यकता के नाम पर कई राज्यों में बड़े पैमाने पर ठगी चल रही है। जिन राज्यों में जो लोग बहुसंख्यक हैं, वे यह कहते हैं कि हम लोग अखिल भारतीय स्तर पर अल्पसंख्यक हैं, इसलिए हमें अल्पसंख्यकों की सब सुविधाएं अपने राज्य में भी मिलनी चाहिए। जैसे जम्मू-कश्मीर में मुसलमान बहुसंख्यक हैं लेकिन उन्हें इसके बावजूद वहां अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं, यहूदियों और बहाईयों को, जो वास्तव में वहां अल्पसंख्यक हैं, उन्हें अल्पसंख्यकों की कोई सुविधा नहीं मिलती। यही हाल मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल, लक्षद्वीप, मणिपुर और पंजाब का है।

इन राज्यों में रहनेवाले धार्मिक बहुसंख्यकों को भी अल्पसंख्यक मानकर सारी विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। उपाध्याय ने अपनी याचिका में अदालत से मांग की है कि अल्पसंख्यकता का निर्णय राज्यों के स्तर पर भी होना चाहिए ताकि वहां के अल्पसंख्यकों को भी न्याय मिले। तर्क की दृष्टि से उपाध्याय बिल्कुल ठीक हैं लेकिन बेहतर तो यह हो कि देश में से मजहब, भाषा और जाति के आधार पर समूहों को बांटा न जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए यह बेहद जरुरी है। दूसरे शब्दों में संख्या के आधार पर बना यह विशेष दर्जा राज्य स्तरों पर तो खत्म होना ही चाहिए, यह भी जरुरी है कि इसे अखिल भारतीय स्तर पर भी खत्म किया जाए। 1947 में भारत का बंटवारा इसी मजहबी संख्यावाद के कारण हुआ और अब देश के चुनाव और राजनीति का आधार यही जातीय संख्यावाद बन गया है। यही क्रम आगे चलता रहा तो 1947 में भारत के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे लेकिन 2047 में भारत के सौ टुकड़े भी हो सकते हैं। यह बेहद खतरनाक प्रक्रिया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक ने संविधान के ढीले-ढाले प्रावधानों का सहारा लेकर मज़हबी और भाषाई आधार पर अपने नागरिकों को बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वर्गों में बांट रखा है।

-वेद प्रताप वैदिक

> विकास की यह राजनीति एक घाट पर बाघ और बकरी के लिए साथ-साथ पानी पीने की परिस्थिति बनाने जैसा कठिन और दुरूह है, जिसकी इच्छा महात्मा गांधी ने की थी। शायद इसीलिए उन्होंने विकास का मूल्यांकन समाज के अंतिम आदमी के संदर्भ में करने के लिए हम सबको प्रेरित किया था। देखना है कि भारतीय जनतंत्र लोक-कल्याणकारी प्रतिबद्धता के साथ अपने रिश्ते को संतुलित रखते हुए कैसे नया भारत बनाने के मिशन को आगे बढ़ा पाता है?

कल्याणकारी योजनाओं की राजनीति

बद्री नारायण,समाज विज्ञानी

केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को छह माह के लिए बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि इससे गरीब सामाजिक समूहों के करीब 80 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। उत्तर प्रदेश की नव-निर्वाचित सरकार ने भी मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इस योजना को तीन माह के लिए बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि यह योजना कोरोना महामारी के भयावह आघात झेल रहे गरीब सामाजिक समूहों को राहत देने के लिए शुरू की गई थी। अब माना जा रहा है कि महामारी के नियंत्रित होने के बावजूद देश में रोजगार, अर्थव्यवस्था व समाज अपने सहज लय में नहीं आ पाए हैं। ऐसे में, गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार लोगों को राहत देगा।

यूं तो राशन वितरण की परियोजनाएं दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में 90 के दशक के आसपास ही शुरू हो गई थीं, लेकिन खाद्य सुरक्षा को कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने एक केंद्रीय पहल के रूप में लागू किया। साल 2014 में जब भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में आई, तो उसने अनेक प्रकार की गरीब कल्याण योजनाएं शुरू कीं और उनका वितरण आधार तल तक हो पाए, इस पर सजग ढंग से काम किया। यही वजह है कि कोरोना-काल में प्रारंभ की गई यह राशन योजना आज विश्व के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के रूप में जानी जाती है।

वैश्विक रूप से देखें, तो चाहे पश्चिमी देश हों या भारत जैसा दक्षिणी एशियाई देश, लगभग सभी जगह जनतंत्र कल्याणकारी योजनाओं के साथ समाहित होकर ही आगे बढ़ता रहा है। किंतु 90 के दशक में नव-उदारवादी व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार के आक्रामक विस्तार के कारण कई व्याख्याकार मानने लगे थे कि भारत अपने लोक-कल्याणकारी मॉडल को छोड़ देगा। मगर यह आशंका लगभग निर्मूल हो रही है, क्योंकि केंद्र ने बाजार के विस्तार की परिस्थिति बनाने की दिशा में काम करते हुए भी अपनी कल्याणकारी प्रतिबद्धताओं को नहीं त्यागा। उज्ज्वला योजना, डायरेक्ट कैश ट्रांसफर योजना, पेंशन योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुफ्त राशन योजना, किसान सम्मान निधि जैसी कई योजनाएं शुरू की गई हैं।

कोरोना महामारी ने ऐसी कल्याणकारी योजनाओं की जरूरत और बढ़ा दी है। इन कल्याणकारी योजनाओं ने लाभार्थियों का एक ऐसा बड़ा वर्ग विकसित किया है, ऐसे सामाजिक सहयोग उनमें विकास की आकांक्षा करने की शक्ति बढ़ाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो ये परियोजनाएं 'हाशिये के समाज' को विकास के स्वप्न देखने की शक्ति प्रदान करती हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि राज्य को ऐसी कल्याणकारी योजनाओं से धीरे-धीरे मुक्ति पा लेनी होगी। सामाजिक समूहों में उद्यमिता का विकास कर उन्हें स्वावलंबी बनाने की कोशिश करनी होगी। यह बात ठीक है, और सरकार उद्यमिता विकास एवं स्वरोजगार सृजन के अनेक प्रयासों के जरिये इस दिशा में काम भी कर रही है, लेकिन गरीब कल्याणकारी योजनाएं समाज की जरूरत हैं और राष्ट्र की नैतिक प्रतिबद्धता भी। पूरी दुनिया में चाहे वामपंथी शासन हो या फिर दक्षिणपंथी या लोकतंत्र, अपने-अपने समाज की आवश्यकताओं के हिसाब से सबको 'लोक-कल्याणकारी योजनाओं' के साथ ही चलना पड़ रहा है। ऐसे में, राज्य पर बढ़ते आर्थिक दबाव के बावजूद गरीब कल्याण की योजनाएं गरीब एवं अति गरीब सामाजिक समूहों के लिए एक प्रकार से जीवनधारा की तरह हैं।

यह ठीक है कि ऐसी लोकप्रिय योजनाओं से सत्तासीन दलों के पक्ष में राजनीतिक गोलबंदी होती है। किंतु इसे अगर विकास की राजनीति के संदर्भ में देखें, तो आगामी समय में जिस 'विकास-लक्ष्य' की तरफ देश को बढ़ना है, उसमें राजनीति को विकास केंद्रित होना ही पड़ेगा। राज्य-सत्ता को आर्थिक रूप से गतिशील समूहों, जैसे उद्योग, व्यवसाय, बाजार से जुड़े लोगों के साथ ही लोकप्रिय गरीब कल्याण योजनाओं पर सतत रूप से कार्य करना होगा। केंद्र सरकार ऐसी ही विकास केंद्रित राजनीति, जिसमें अंत्योदय एवं गरीब कल्याण एक जरूरी तत्व हैं, के पक्ष में खड़ी दिखती है। शायद इसीलिए हालिया विधानसभा चुनावों में 'गरीब कल्याण का कैंपेन' भाजपा के चुनाव-विमर्श का मुख्य तत्व रहा और इसने समाज के गरीब समूहों को राजनीतिक रूप से उसके पक्ष में मोड़ने में मुख्य भूमिका निभाई। हमने देखा कि हिंदुत्व की आम समझ, विकास की आकांक्षा, गरीब कल्याण कार्यक्रमों से उत्पन्न जुड़ाव, सामाजिक इंजीनियरिंग, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि, इन सबने मिलकर विधानसभा चुनावों में भाजपा का राजनीतिक लोकगीत रचा है।

मगर विकास केंद्रित राजनीति की अपनी चुनौतियां भी होती हैं। यह एक ऐसी लाभार्थी चेतना को विकसित करती है, जो सतत सक्रिय एवं विकासमान होती है। राष्ट्र को उस लाभार्थी चेतना को बार-बार बदलती जरूरतों के हिसाब से नई-नई योजनाओं के जरिये प्रतिक्रिया देना होता है। इस चेतना में अग्रगामी एवं प्रतिगामी, दोनों भाव निहित होते हैं। अत: राज्य को सतत रूप से इसका मूल्यांकन और इसे नए ढंग से संबोधित करना ही होता है। दूसरी चुनौती यह है कि विकास की राजनीति में सामाजिक संतुलन को बनाए रखना एक कठिन कार्य है। यह अस्मिता की राजनीति की तरह आसान काम नहीं होता, वरन यह कार्य एक बंधी हुई रस्सी पर चलने की तरह कठिन व जटिल होता है। किंतु सामाजिक परिवर्तन के लिए ऐसे खतरे उठाने ही होते हैं और जो राजनीतिक दल या नेता खतरे उठाते हुए लक्ष्य को साध लेता है, वह लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंच जाता है।

विकास की यह राजनीति एक घाट पर बाघ और बकरी के लिए साथ-साथ पानी पीने की परिस्थिति बनाने जैसा कठिन और दुरूह है, जिसकी इच्छा महात्मा गांधी ने की थी। शायद इसीलिए उन्होंने विकास का मूल्यांकन समाज के अंतिम आदमी के संदर्भ में करने के लिए हम सबको प्रेरित किया था। देखना है कि भारतीय जनतंत्र लोक-कल्याणकारी प्रतिबद्धता के साथ अपने रिश्ते को संतुलित रखते हुए कैसे नया भारत बनाने के मिशन को आगे बढ़ा पाता है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नागरी लिपि मिटाएगी भारतीय भाषाओं की परस्पर दूरी

रसाल सिंह ,प्रोफेसर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

भारतीय भाषाएं अपनी मजबूती के बावजूद अंग्रेजी से आशंकित, आक्रांत और असुरक्षित हो रही हैं। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हिंदीतर 21 भारतीय भाषाओं की जगह बौद्धिक जगत में क्रमश: सिकुड़ती जा रही है। सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन, शासन-प्रशासन, बाजार-व्यापार के अलावा शिक्षा के माध्यम के रूप में भी अंग्रेजी ने अभूतपूर्व बढ़त बनाई है। हालांकि, वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा हिंदी और मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, असमिया, डोगरी, कश्मीरी, पंजाबी आदि अन्य भारतीय भाषाओं को समर्थन, सम्मान व स्वीकृति देने से स्थिति कुछ संतुलित हुई है, किंतु अभी बहुत काम करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने का प्रस्ताव दूरदर्शितापूर्ण है। वर्तमान भाषिक परिदृश्य में इस प्रस्ताव का क्रियान्वयन अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह शिक्षार्थी की बौद्धिक क्षमताओं के विकास और भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिक्षा और भाषा क्षेत्र के विशेषज्ञ बार-बार यह कहते रहे हैं कि अंग्रेजी वर्चस्ववाद से निपटने के लिए भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के निकट आने की जरूरत है। उनके आपसी अपरिचय और अलगाव को मिटाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। भारतीय भाषाओं के विकास, प्रचार-प्रसार और आपसी संपर्क-संवाद में देवनागरी लिपि की निर्णायक भूमिका हो सकती है। तमाम भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठतम साहित्य को देवनागरी लिपि में लिप्यांतरित करके बहुसंख्यक व व्यापक हिंदी समाज तक लाने की जरूरत है।

सभी भारतीय भाषाओं द्वारा राष्ट्रलिपि या संपर्क लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाने की बात राजा राममोहन राय, लोकमान्य तिलक, महर्षि दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, कृष्णस्वामी आयंगर, मुहम्मद करीम छागला और बिनेश्वर ब्रह्म जैसे महापुरुषों ने समय-समय पर की। आज संकीर्ण राजनीति और क्षेत्रवादी अस्मिताओं से ऊपर उठकर उनके उस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने का समय है। 'देवनागरी के नवदेवता' बिनेश्वर ब्रह्म ने तो इस स्वप्न के लिए प्राणोत्सर्ग तक कर दिया था। भारतीय भाषाओं की एक लिपि होने से उनके बीच का अपरिचय, अविश्वास और दूरी मिटेगी। वे एक-दूसरे के अधिक निकट आ सकेंगी। उनके बीच अधिक आत्मीयता पैदा होगी और उनमें बहनापा बढ़ेगा। यह एक दूरगामी महत्व की परियोजना है। संस्कृत से उत्पन्न भारतीय भाषाओं और लिपि-हीन भाषाओं व बोलियों की लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाकर यह शुरुआत की जा सकती है। आज जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर, अंडमान-निकोबार और गोवा आदि की अनेक भाषाएं व बोलियां लिपि न होने के कारण अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इन विलुप्त होती जा रही भाषाओं में श्रुत/मौखिक साहित्य की अत्यंत समृद्ध परंपरा रही है। उस दुर्लभ साहित्य को न सिर्फ संरक्षित करने की आवश्यकता है, बल्कि उसे अब तक अपरिचित रहे व्यापक समाज के बीच ले जाने की भी जरूरत है। नयनार-आलवार संतों के साहित्य, जयदेव के गीतगोविंदम्, नानकदेव की गुरुवाणी, शंकरदेव के पदों, लल्लेश्वरी के बाख, तुलसीदास की रामचरितमानस और गुरुदेव की गीतांजलि को हर साक्षर भारतीय को पढ़ना चाहिए। इससे सामाजिक निकटता और सांस्कृतिक प्रगाढ़ता बढ़ेगी। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम आदि जिन भारतीय भाषाओं की अपनी पृथक लिपि है, उनकी सह-लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाने से कई सामाजिक-सांस्कृतिक संकीर्णताओं का हल हो सकता है। भारत एक बहुभाषिक, बहुलिपिक देश है, लेकिन इस बहुलता के बावजूद भारतीयता की अंतरधारा उसकी सबसे बड़ी विशिष्टता है। भारतीयता की इस अंतरधारा को और अधिक पुष्ट करने में राष्ट्रभाषा हिंदी की तरह ही राष्ट्रलिपि देवनागरी की बड़ी भूमिका हो सकती है। तमाम विरोध और संकीर्ण राजनीति को पीछे छोड़ते हुए आज हिंदी देश की स्वाभाविक संपर्क भाषा बन गई है। इसी प्रकार, देवनागरी को समस्त भारत की संपर्क लिपि बनाने के लिए देशवासियों को संगठित और सक्रिय होना चाहिए।

अरब जगत की अधिकांश भाषाओं की लिपि अरबी और यूरोप-अमेरिका की कई भाषाओं की लिपि रोमन है। इसलिए उनमें न सिर्फ बेहतर सामाजिक-सांस्कृतिक संवाद है, बल्कि वहां व्यापार और पर्यटन भी खूब फल-फूल रहा है। यह किसी भी भारतीय भाषा या उसकी लिपि को खत्म करने की योजना नहीं है, बल्कि भारतीय भाषाओं की आपसी समझदारी, साझेदारी और बहनापे को बढ़ाने की परियोजना है। यही नहीं, भविष्य में कम से कम भारत में अंग्रेजी भाषा को देवनागरी लिपि में लिखने की दिशा में भी काम किया जा सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

रूठी रहूं या उदार रहूं, तुझे क्या फर्क पड़ताहै, अधूरी प्यास लिए हुए न जाने दिल तुझे ही क्यों खोजता हैं।

-अंजली जैन
7024460938

चुनाव सुधारों का लाभ भाजपा को!

अजीत द्विवेदी

भारत में लंबे समय से चुनाव सुधार की जरूरत बताई जा रही है। कुछ सुधार जरूर हो रहे हैं लेकिन वे इतने छोटे हैं कि उनका प्रत्यक्ष असर बहुत कम दिखाई देता है या फिर सुधार ऐसे हैं, जिनका कोई प्रभाव मतदान की प्रक्रिया पर नहीं हुआ है। जैसे जेएम लिंगदोह के मुख्य चुनाव आयुक्त रहते यह प्रावधान किया गया था कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी नामांकन पत्र के साथ एक हलफनामा देंगे, जिसमें उनकी संपत्ति, उनकी शिक्षा और उनके आपराधिक मामलों का ब्योरा होगा। माना गया था कि लोग प्रत्याशियों की आपराधिक छवि के बारे में जानेंगे तो उनको वोट नहीं देंगे। लेकिन हुआ इसका उलटा। पिछले दो दशक में आपराधिक रिकार्ड वाले सांसदों की संख्या में बहुत बढ़ोतरी हो गई है। साथ की करोड़पति सांसदों-विधायकों की संख्या में भी रिकार्ड इजाफा हुआ है। तभी ऐसे प्रतीकात्मक चुनाव सुधार की जरूरत नहीं है।

पिछले कुछ दिनों से ऐसा कुछ चल रहा है, जिससे लग रहा है कि मतदान की प्रक्रिया में कुछ बड़े बदलाव होगा। यह कब होगा और कैसा होगा, यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग की ओर से उठाए जा रहे कदमों और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए बयानों से इसे समझने की जरूरत है। इस लिहाज से दो बयान बहुत गौरतलब हैं। एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है और दूसरा उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू का है। दोनों ने नागरिकों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने की अपील की है। यह अपील बहुत आम है और दूसरी पार्टियों के नेता भी करते हैं, लेकिन वेंकैया नायडू ने एक कदम आगे बढ़ कर कहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में 75 फीसदी मतदान होना चाहिए। ध्यान रहे पिछले चुनाव में 67 फीसदी से थोड़ा ज्यादा मतदान हुआ। सो, उप राष्ट्रपति ने पिछले चुनाव से आठ फीसदी ज्यादा और तीन-चौथाई मतदान की अपील की है।

यह संयोग है कि जिस समय उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने ज्यादा मतदान की अपील की उसी समय राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर एक सर्वेक्षण जारी हुआ। एक पब्लिक ऐप के जरिए चार लाख लोगों का एक सैंपल सर्वे हुआ था, जिसमें 86 फीसदी लोगों ने कहा कि भारत में अनिवार्य मतदान होना चाहिए। उसके बाद से इस पर बहस चल रही है। इस बीच एक संसदीय समिति ने चुनाव आयोग से इस बात की पड़ताल करने को कहा है कि मतदान का प्रतिशत कम क्यों हुआ है। ध्यान रहे हाल में हुए पांच राज्यों के चुनाव में मणिपुर को छोड़ कर बाकी चारों राज्यों में

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मुख्यमंत्री विभिन्न जिलों के भ्रमण के दौरान महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के विभिन्न जिलों के भ्रमण के दौरान राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। श्री बघेल जिलों में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, जल जीवन मिशन, चिटफंड आवेदनों की स्क्रूटनी की प्रगति, सी-मार्ट की स्थापना-संचालन, शालाओं में अच्छे शौचालय का निर्माण एवं उपयोग, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम और आश्रम में रूरल इंस्डट्रीयल पार्क तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में काम कर रहे समूहों के उत्पादों के क्रय की स्थिति तथा ग्रामीण हाट बाजार क्लिनिक योजना की प्रगति की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री बघेल विभिन्न जिलों में गौठानों के संचालन, अधिकारियों द्वारा गौठानों के किए गए निरीक्षण तथा स्व-सहायता समूहों को समय से भुगतान की स्थिति, खरीफ सीजन 2022 में 5 लाख हेक्टेयर में धान के बदले अन्य फसल लेने की तैयारी, सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की स्थापना, प्रमुख नदियों में गंदे नालों का प्रवाह रोकने तथा एसटीपी के निर्माण, आगामी खरीफ में वर्मी कम्पोस्ट के अधिक से अधिक उपयोग की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मुख्य सचिव अमिताभ जैन विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री के भ्रमण की तैयारियों के सिलसिले में 01 अप्रैल को अपरान्ह 4 बजे आयोजित वर्चुअल बैठक में विभिन्न जिलों में राज्य सरकार की इन महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी कमिश्नरों, कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शामिल होने के निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्य की जनसंख्या में अन्य पिछड़े वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों का सर्वेक्षण

सर्वेक्षण के आधार पर ओबीसी की जनसंख्या 1.18 करोड़ से अधिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्वांटिफायबल डाटा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ क्वांटिफायबल डाटा आयोग के सचिव श्री बी. सी. साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 मार्च तक राज्य के विभिन्न जिलों में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार ओबीसी की संख्या 1 करोड़ 18 लाख 5 हजार 184 है, जो वर्ष 2021 की जनसंख्या के मान से 38.06 प्रतिशत है।

इसी प्रकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की जनसंख्या 10 लाख 30 हजार 309 है, जो वर्ष 2021 की अनुमानित जनसंख्या के मान से 3.4 प्रतिशत है। वर्ष 2011 की प्रदेश की कुल जनसंख्या 2 करोड़ 57 लाख 36 हजार 032 है एवं वर्ष 2021 की अनुमानित जनसंख्या 3 करोड़ 5 लाख 74 हजार 656 है।

आयोग द्वारा सर्वेक्षण में गति लाने माह सितम्बर 2021 से माह मार्च 2022 तक लगातार राज्य के विभिन्न जिलों में जा कर एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सर्वेक्षण के कार्य की समीक्षा की गई तथा भ्रमण के दौरान जिले के स्थानीय पिछड़ा वर्ग समाज के प्रमुख एवं जनप्रतिनिधिगण से चर्चा भी की गई। ऑनलाईन सर्वेक्षण हेतु ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वेक्षण के लिए पंचायत विभाग एवं नगरीय क्षेत्रों के सर्वेक्षण के लिए नगरीय प्रशासन विभाग को नोडल विभाग बनाया गया। दोनों विभाग से एक-एक अधिकारी राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसी प्रकार समस्त जिलों में भी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों हेतु एक-एक जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किए गये। सर्वेक्षण के प्रशासनिक नियंत्रण हेतु जिला स्तर, नगरीय क्षेत्र स्तर पर समिति का गठन किया गया है। जिसमें संबंधित जिला के कलेक्टर को सर्वेक्षण समिति का अध्यक्ष मनोनित किया गया है।

शासन के निर्देशों के पालन में सर्वेक्षण हेतु अनुसूचित क्षेत्रों के दो पंचायत पर एक तथा मैदानी क्षेत्रों पर चार पंचायत पर एक-एक सुपरवाईजर नियुक्त किया गया। इस सर्वेक्षण हेतु नगरीय क्षेत्रों में कुल 159 निकाय क्षेत्रों के लिए कुल 1103 सुपरवाईजरों तथा 11 हजार 646 ग्राम पंचायत क्षेत्रों के लिए कुल 4 हजार 446 सुपरवाईजरों इस प्रकार कुल 5 हजार 549 सुपरवाईजरों के माध्यम से सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है।

राज्य की जनसंख्या में अन्य पिछड़े वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के सर्वेक्षण हेतु छत्तीसगढ़ क्वांटिफायबल डाटा कमीशन का गठन किया गया। सर्वेक्षण एवं डाटा संग्रहण का कार्य हेतु चिप्स के तकनीकी सहयोग से उनके द्वारा तैयार पोर्टल, मोबाईल एप्प के माध्यम से सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस पोर्टल, मोबाईल एप्प के माध्यम से राज्य के राशन कार्ड के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग के उपलब्ध डाटा को लक्ष्य-आधार मानते हुए ऑनलाईन सर्वेक्षण का कार्य किया जार रहा है।

अन्य पिछड़े वर्ग के सर्वेक्षण के साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का भी सर्वेक्षण भारत सरकार के मापदण्डों के अनुसार इसी पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है।

सेंट थॉमस महाविद्यालय में विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

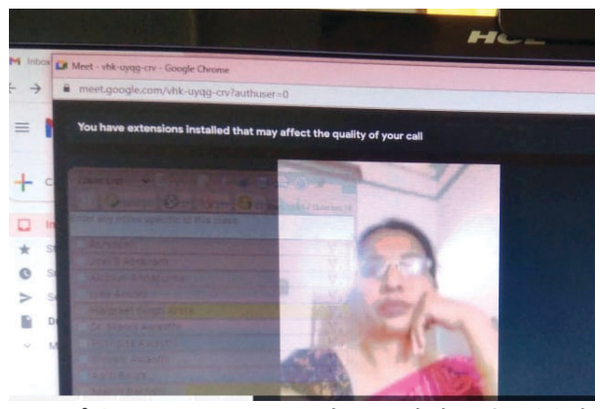

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सेंट थॉमस महाविद्यालय रूआबांधा भिलाई के हिंदी विभाग एवं आइक्यूएसी द्वारा विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर 29 मार्च को राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया । वेबीनार के मुख्य वक्ता अभिनेता एवं निर्देशक एस. के. सिंह थे।

महाविद्यालय के मैनेजर बिशप हिस ग्रेस डॉक्टर जोसेफ मार डायनोशियस, महाविद्यालय के प्रशासक वेरी रेवरेंट फादर डॉक्टर जोशी वर्गीस एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम जी रोईमोन द्वारा वेबीनार की सराहना करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की एवं शुभकामनाएं दी, इस राष्ट्रीय वेबीनार के प्रारंभ में कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर सुरेखा जवादे ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पूरे विश्व में प्रतिवर्ष 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस मनाया जाता है जिसकी शुरुआत वर्ष 1961 में हुई थी । पूर्व में थिएटर ही मनोरंजन का एकमात्र साधन हुआ करता था। आज भी वह स्थापित है।

मुख्य वक्ता अभिनेता निर्देशक एस.के सिंह ने कहा कि रंगमंच का समाज, राष्ट्र एवं देश में महत्वपूर्ण योगदान है, थिएटर का क्षेत्र बहुत व्यापक है। थिएटर के अंतर्गत नाटक , नृत्य, कला आदि का प्रदर्शन किया जाता है थिएटर ही एकमात्र माध्यम है जिससे अपने विचारों को लाखों लोगों के मध्य तक पहुंचाया जा सकता है, पूर्व में थिएटर ही एकमात्र मनोरंजन का साधन रहा है। वेबीनार का संचालन कार्यक्रम की सह संयोजक डॉ रूपा श्रीवास्तव ने एवं आभार प्रदर्शन संतोष यादव ने किया।

ग्रामीण विकास में महती भूमिका निभा रही शासन की योजनाएं: मंत्री उमेश पटेल

उच्च शिक्षामंत्री पटेल ने 62 लाख रुपये से अधिक के कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने आज रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में 62 लाख 22 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसान, श्रमिक, आदिवासी परिवारों के विकास को ध्यान में रख कार्य किया जा रहा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में धान, उद्यानिकी और अन्य फसलों में किसानों को इनपुट सब्सिडी दी जा रही है।

वनांचल में लघु वनोपज का भी समर्थन मूल्य में खरीदी के दायरे को विस्तार देकर समर्थन मूल्य में वृद्धि की गयी। जिसका लाभ वनवासी परिवारों को मिल रहा है। वहीं गांवों में निवास करने वाले भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी योजना शुरू की है।

श्री पटेल ने कहा कि गांवों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए घर-घर तक नल कनेक्शन विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, कुपोषण मुक्ति की दिशा में भी व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। ग्रामीणों एवं महिला समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए उनकी आवश्यकतानुसार आजीविका के साधन मुहैय्या कराने के साथ ही उनकी आर्थिक उन्नति के लिए विभिन्न कदम उठाये जा रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री पटेल आज पुसौर विकासखण्ड के टपरदा, तुपकधार, कठली, रनभांठा, बुनगा गांव में पहुंचे और ग्रामवासियों की समस्याओं से वे अवगत हुए तथा इनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उच्च शिक्षामंत्री श्री पटेल अमलडीहा गौठान मेला में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 62 लाख 22 हजार रुपये के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। जिनमें 32 लाख 75 हजार रुपये 5 शिलान्यास कार्य में ग्राम बुनगा में 20 लाख रुपये की लागत से प्रा.शा.भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, रनभांठा में 2 लाख 50 हजार रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य एवं 3 लाख रुपये की लागत से बोर खनन, ग्राम टपरदा में 6 लाख 45 हजार रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण एवं ग्राम तुपकधार में 80 हजार रुपये की लागत से पानी टंकी निर्माण कार्य शामिल है। इसी तरह 29 लाख 47 हजार रुपये की लागत से लोकार्पण कार्य में ग्राम-तुपकधार में 7 लाख 47 हजार रुपये की लागत से प्रा.शा.भवन परिसर में अहाता निर्माण, ग्राम-कठली में 15 लाख रुपये की लागत से प्रा.शा.भवन निर्माण, ग्राम-टपरदा एवं रनभांठा में 7 रुपये की लागत से सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य शामिल है।

स्व सहायता समूह से जुड़ी प्रत्येक महिला की आय में बढ़ोत्तरी - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे गौठानों की स्थिति का जायजा लेने के लिए धमधा विकासखंड पहुंचे। धमधा विकासखंड में कलेक्टर ने सेवती, हसदा, सेमरिया, लिटिया और जोगीगुफा ग्राम पंचायत में गौठानों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों के साथ विशेष चर्चा की और उन्हें ज्यादा से ज्यादा नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से गौठान की संरचना को इस प्रकार से निर्मित करने के लिए कहा जिससे स्व सहायता समूह से जुड़ी प्रत्येक महिला की आय में बढ़ोत्तरी हो। उन्होंने कहा कि समूह की बहनें निर्णय लेने और क्रय विक्रय की प्रक्रिया में जितनी स्वतंत्र, परदर्शी और सशक्त होंगी उससे समूह उतना ही ज्यादा मजबूत होगा।

महिलाओं ने कलेक्टर के समक्ष रखी मांग -गौठानों में नवाचार के

अंतर्गत मछली पालन से लेकर कुकूट पालन जैसे कार्य किए जा रहे हैं। कई स्व-सहायता समूह की महिलाएं इसके साथ-साथ कुछ नया भी करना चाह रही हैं। हसदा गौठान की नव चेतना स्व सहायता समूह ने कलेक्टर के समक्ष इसी बात को केन्द्रित करते हुए तेल मिल खोलने की इच्छा जाहिर की। महिलाओं ने बताया कि आस-पास के क्षेत्रों में सरसों और सोयाबीन का उत्पादन पर्याप्त मात्रा में होता है। इसके कारण वो गौठान में तेल पेरने की मशीन चाहती हैं। इसी प्रकार जोगीगुफा गौठान के समूह की महिलाएं अगरबत्ती के निर्माण को लेकर उत्साहित हैं और कुछ समूह मसाले का उत्पादन करना चाहती हैं। कलेक्टर ने समूह की बहनों के इस मांग को सहर्ष स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द मांगों की पूर्ति करने का निर्देश दिया।

कलेक्टर ने सभी गौठानों में वहां के अध्यक्ष, सरपंच और कार्यरत स्व-सहायता समूह से बात की और गौठान में चल रहे गतिविधियों के संबंध में पूछताछ की। पूछताछ के दौरान कलेक्टर ने पाया की कई गौठानों में वर्मी कंपोस्ट बेड पूर्ण रूप भर जाने पर गोबर की खरीदी बाधित हो जाती है। इस पर उन्होंने अपना सुझाव रखते हुए वर्मी कंपोस्ट बेड में तिथि अंकित करने के लिए कहा। ताकि समय सीमा की जानकारी से गोबर खरीदी और वर्मी कंपोस्ट खाद बिक्री का प्रबंधन सही तरीके से किया जा सके।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगन, धमधा एस.डी.एम. बृजेश क्षत्रिय एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्लेट मिल में सुरक्षा सजगता रैली का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रमुख इकाई प्लेट मिल में सुरक्षा संवर्धन एवं सुरक्षा जागरूकता हेतु प्लेट मिल में सुरक्षा सजगता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) एस.एन.आबिदी ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर प्लेट मिल के मुख्य महाप्रबंधक आर के बिसारे सहित कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) जी पी सिंह विषेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्लेट मिल आर के बिसारे ने सुरक्षा रैली के उद्देष्यों पर प्रकाष डालते हुए कहा कि हम अपने टीम के प्रत्येक सदस्य को सुरक्षित रखना चाहते है।

MENS Clothing
A COMPLETE MEN'S FASHION STORE
Shahrukh Quraishy
8818880051
Infront Of National Steel,
Maharaja Chowk, Durg (C.G.) 491001
E-mail.:- shahrukhquraishy786@gmail.com

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

Jeans, Trousers, Shirts, T-shirts, Top, Legis, Suits & All Types of Mens & Ledies Wears
Rock Star
Girls & Mens Wear
Kishan Ahuja
9300628876
Maharja Chowk, opp. Oriental Bank, Borsi,Road, Durg (C.G.)

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI TH XII TH B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

खास खबर

कलेक्टर के पहल पर किसान चौपाल के माध्यम से किया जा रहा है ई केवाईसी सत्यापन

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार के पहल पर रायपुर जिले के समस्त सेवा सहकारी समिति में 23 मार्च से 4 अप्रैल तक किसान चौपाल खरीफ अभियान का आयोजन जा रहा है । जहां कृषकों के मध्य कृषि विभाग की वर्तमान में संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। कृषक चौपाल के माध्यम से कृषकगण अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पीएमकिसान सम्मान निधि योजना अंतर्गतई-केवाईसी सत्यापन कार्य करवा रहे है। साथ ही किसान चौपाल के माध्यम से मैदानी कृषि अधिकारियों द्वारा खरीफ फसल का जोखिम कम करने हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल का बीमाकराने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि अधिकारियों ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजनांतर्गत रायपुर जिले को 6211 हे. में फसल परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस संदर्भ में सबसे अधिक 5 प्रतिशत एवं सबसे कम 5 प्रतिशत धान विक्रयकर्ता कृषकों को धान के स्थान पर अन्य फसल लेने हेतु प्रेरित कर फसल परिवर्तन से होने वाले लाभ की जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि फसल परिवर्तन में कृषकों से उनके द्वारा अपनाए जाने वाली फसल की जानकारी लेकर बीज व्यवस्था का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। गौठानों में गोबर की खरीदी कर उससे वर्मी खाद, सुपर कम्पोस्ट व सुपर कम्पोस्ट प्लस का उत्पादन कर सहकारी समिति में भण्डारण कराकर अग्रिम उठाव हेतु प्रेरित किया जा रहा है। वर्मी खाद से फसलों व भूमि को होने वाले लाभ की जानकारी कृषकों को दी जा रही है। चौपाल के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड का निर्माण हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

संघ लोक सेवा आयोगः कम्बाईण्ड डिफेन्स सर्विस परीक्षा 10 अप्रैल को

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा आयोजित कम्बाईण्ड डिफेन्स सर्विस परीक्षा 2022 परीक्षा 10 अप्रैल को तीन पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 9 बजे से 11 बजे द्वितीय पाली दोपहर 12 बजे से 2 बजे एवं तृतीय पाली दोपहर 3 बजे से संध्या 5 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में होगी। इसी तरह नेशनल डिफेन्स एकाडमी एण्ड नेवल एकाडमी परीक्षा 10 अप्रैल सुबह 10 बजे से 12.30 बजे तक एवं दोपहर 2 बजे से 4.30 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में संचालित की जायेगी।

उक्त परीक्षा के सचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर मुकेश कुमार कोठारी को सहायक को-ऑर्डिनेटिंग सुपरवाइजर तथा केएस पटले राजीव गांधी शिक्षा मिशन जिला कार्यालय रायपुर को कंट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा के दौरान सभी परीक्षार्थियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को कोविड-19 महामारी के दिशा निर्देशानुसार सोशल डिस्टेसिंग, सेनेटाईजेशन, मास्क पहनना एवं अन्य सभी दिशा निर्देशो का पालन करना अनिवार्य होगा।

जल जीवन मिशन : राज्य में 10 लाख से अधिक घरेलू नल कनेक्शन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देशन में राज्य के ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक राज्य में 10 लाख 2 हजार 756 घरेलू नल कनेक्शन लगाए जा चुके हैं। जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। जल जीवन मिशन संचालक टोपेश्वर वर्मा द्वारा समय-समय पर नल-जल योजनांतर्गत सोलर आधारित, रेट्रोफिटिंग,मल्टी विलेज और सिंगल विलेज योजनाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी जारी है। उन्होंने स्कूल, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वाटर की व्यवस्था, आईएसए ट्रेनिंग, जल जीवन मिशन के कार्यों का प्रचार-प्रसार हेतु दीवार लेखन, चित्रकारी इत्यादि कार्य समयबद्ध रूप से कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये गए हैं। इसके साथ ही साथ सभी प्रगतिरत कार्य की आईएमआईएस पोर्टल में इन्द्राज करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में जल जीवन मिशन में एक हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

क्षेत्रीय सरस मेलाः महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह

विभिन्न राज्यों के शिल्पों का संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ हाट परिसर में 10 दिवसीय क्षेत्रीय सरस मेला का शुभारंभ छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप सिंह जुनेजा ने किया। मेले का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी और विक्रय के लिए किया गया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ राजगीत से हुआ। श्री जुनेजा ने प्रदर्शनी स्थल पर लगे स्टालों का अवलोकन कर शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया। 'बिहान' की महिला स्वसहायता समूहों द्वारा निर्मित प्राकृतिक उत्पादों के प्रति लोग सहज ही आकर्षित हो रहे हैं। कार्यक्रम में संचालक ग्रामोद्योग सुधाकर खलखो, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की राज्य संचालक इफ्फत आरा, संयुक्त मिशन संचालक आरके झा भी उपस्थित थे।

दस दिवसीय मेले में छत्तीसगढ़ के साथ ही कई राज्यों के ग्रामीण समुदायों द्वारा निर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। मेला में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के फूड स्टॉल लगाए गए हैं। आज लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति भी दी गई। मेला का आयोजन प्रतिदिन सवेरे 11 बजे से रात नौ बजे तक होगा तथा प्रदर्शनी देखने आए लोग सांस्कृतिक संध्या का भी आनंद ले सकेंगे। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गांवों की समृद्धि और रोजगार के लिए संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन - ''बिहान'' योजना के अंतर्गत इस क्षेत्रीय सरस मेला का आयोजन किया गया है। मेला में 'बिहान' के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गठित महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित कई विशिष्ट जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-विक्रय की व्यवस्था की गई है। कोसा, सिल्क, खादी, हैण्डलूम, बेलमेटल, टेराकोटा, बांस, काष्ठ शिल्प इत्यादि ग्रामोद्योग के उत्पाद प्रदर्शनी और बिक्री के लिए उपलब्ध है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से रसायन मुक्त विशेष उत्पादों जैसे सुगंधित चावल, ब्लैक राइस, मसाले, तेल, वनोपज आधारित दुर्लभ उत्पाद, शहद इत्यादि भी मेला में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया है। मेले में असम, गुजरात, मध्यप्रदेश, ओड़िसा, उत्तरप्रदेश और राजस्थान सहित अनेक राज्यों की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट उत्पाद भी प्रदर्शनी-सह-विक्रय के लिए उपलब्ध है।

राम का नाम अपने आप मे जीवन का सार है : डॉ. शिवकुमार डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया नगर पंचायत मंदिर हसौद में बाल समाज रामायण मंडली एवं ग्रामवासियों की संयुक्त तत्वाधान में आयोजित त्रि-दिवसीय रामायण सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमप्रकाश यादव अध्यक्ष नगर पंचायत मंदिरहसौद ने की। इस अवसर पर डॉ. डहरिया ने 7 लाख रूपए की लागत से निर्मित

रंगमंच-भवन का लोकार्पण किया साथ ही मानस सम्मेलन के आयोजक बाल समाज रामायण मंडली को वाद्ययंत्र के लिए 50 हजार रूपए देने की घोषणा की।

डॉ. शिवकुमार डहरिया ने अपने उद्बबोधन मे कहा की प्रभु श्री राम मानव जीवन की महानता का परिचायक है। हमे जीवन को मूल्यवान बनाने के लिए रामजी के आदर्शों पर चलकर उन्हें आत्मसात करना होगा। डॉ. डहरिया ने आगे कहा कि रामायण व राम यह दो ऐसे रत्न है, जिससे हमारी संस्कृति और परम्परा महान बनती है। राम का नाम अपने आप मे जीवन का सार है। इसे पढ़कर व सुनकर ही हम अपने दायित्वों का निर्वहन करते है। हम सभी को जीवन को सार्थक बनाने के लिए मर्यादा पुषोत्तम राम के सिद्धांतों का अनुसरण करना होगा। विदित हो कि 28 मार्च से जारी मानस गान सम्मेलन में 18 पंजीकृत मानस मंडलियों ने भाग लिया। सभी मानस मंडलियों को आयोजको द्वारा 8-8 हजार रूपए प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना में गांवों व दूरस्थ अंचलों के 25 लाख से अधिक लोगों का निःशुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के माध्यम से अब तक गांवों व दूरस्थ अंचलों के 25 लाख से अधिक लोगों का निःशुल्क इलाज किया गया है। योजना के तहत हाट-बाजारों में लगने वाले स्वास्थ्य शिविरों में ओ.पी.डी. आधारित आठ प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही मलेरिया, डेंगू, एचआईव्ही, मधुमेह, एनीमिया, टीबी, कुष्ठ, उच्च रक्तचाप और नेत्र विकारों की जांच की जाती है। इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की भी जांच की जाती है। जांच के बाद व्याधिग्रस्त पाए गए लोगों को निःशुल्क दवाईयां भी दी जाती हैं। आवश्यकता होने पर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य केन्द्रों में रिफर कर इलाज कराया जाता है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के अंतर्गत प्रदेश भर में 397 डेडिकेटेड ब्राडिंग वाहन तथा चिकित्सा

दलों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में उपचार मुहैया कराया जा रहा है। वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों के हाट-बाजारों में स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों द्वारा अब तक 25 लाख तीन हजार 046 लोगों को इलाज उपलब्ध कराया गया है। हाट-बाजारों की क्लिनिक में पहुंचे 22 लाख 81 हजार 354 मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवाईयां दी गई हैं। प्रदेश के 1636 हाट-बाजारों में 71 हजार 640 हाट-बाजार क्लिनिक के माध्यम से लोगों को ये सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

हाट-बाज़ारों की क्लिनिक में जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार, चिकित्सीय परामर्श और दवाईयां उपलब्ध कराने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा मलेरिया, एचआईव्ही, वीडीआरएल., मधुमेह, एनीमिया, टीबी, कुष्ठ रोग, उच्च रक्तचाप और नेत्र विकारों की जांच की जाती है। इन क्लिनिकों में गर्भवती महिलाओं की जांच व शिशुओं का टीकाकरण भी किया जाता है। वर्ष 2019 से शुरू मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के अंतर्गत अब तक पांच लाख 41 हजार 982 लोगों के उच्च रक्तचाप, चार लाख 20 हजार 879 लोगों की मधुमेह, दो लाख 43 हजार 483 लोगों की मलेरिया जांच, एक लाख 14 हजार 817 लोगों की रक्त-अल्पता (एनीमिया) और 79 हजार 720 लोगों में नेत्र विकारों की जांच की गई है। इन क्लिनिकों में 22 हजार 424 लोगों की टीबी, सात हजार 017 लोगों की कुष्ठ और 15 हजार 047 लोगों की एचआईव्ही जांच भी की गई है। इस दौरान 43 हजार 535 गर्भवती महिलाओं की भी जांच गई है। हाट-बाजारों में आयोजित क्लिनिकों में 59 हजार 491 डायरिया पीड़ितों का भी उपचार किया गया है।

प्रौढ शिक्षार्थियों का महापरीक्षा अभियान

आखरझांपी का 120 घंटे का अध्ययन पूर्ण करने वाले शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में आज जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा का आयोजन किया गया। इस महापरीक्षा में पढना लिखना अभियान के अतर्गत जिले के चारो विकासखंडों एवं नगरीय क्षेत्र के ऐसे प्रौढ शिक्षार्थियों जिन्होंने आखरझांपी का 120 घंटे का अध्ययन पूर्ण कर लिया था, ऐसे शिक्षार्थी इस परीक्षा में सम्मलित हुए।

उल्लेखनीय है कि महापरीक्षा अभियान के अंतर्गत 70 वर्षीय रेवचन बोरकर ने प्राथमिक शाला गोगांव ने अपूर्व उत्साह के साथ उम्र को धता दिखाते हुए परीक्षा दी। वहीं अमलीडीह वार्ड में बुधारू राम के साथ उनकी छह बहुओं स्वाती, श्रीमती हिना, श्रीमती तारिणी, राधिका, पार्वती और दुर्गेश्वरी परीक्ष में शामिल होकर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

परीक्षा अभियान में शिक्षार्थियों का हौसला बढाने के लिए एस.सी.ई.आर.टी के सहायक संचालक डॉ. योगेश शिवहरे तथा राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के सहायक संचालक प्रशांत पाण्डेय ने शासकीय प्राथमिक शाला गोगांव का औचक निरीक्षण किया तथा शिक्षार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मयंक चतुर्वेदी एव जिला शिक्षा अधिकारी अशोक नारायण बंजारे के नेतृत्व में आहूत महापरीक्षा अभियान के तहत परीक्षा को सफल बनाने में विकासखंड शिक्षा अधिकारी धरसींवा संजयपुरी गोस्वामी, तिल्दा बी आर. देवांगन, आरंग डेजी ईरानी, अभनपुर मिखाईल मिज एवं संबंधित संकुल स्त्रोत समन्वयक एवं प्रधानपाठको का विशेष सहयोग रहा।

जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर की जिला परियोजना अधिकारी डॉ कामिनी बावनकर, सहायक जिला परियोजना अधिकारी चुन्नीलाल शर्मा, मंजुला वर्मा, नरेश नेताम, ललित शर्मा, मोनिका सोनी, लोकश वर्मा, चद्रिका प्रसाद वर्मा, अलंकार परिहार, पवन गुरूपंच ने अपने-अपने क्षेत्रों के परीक्षा केन्द्रों में निरीक्षण कर महापरीक्षा अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

मनरेगा में मजदूरी दर में 11 रुपए की बढ़ोतरी, अब 204 रूपए मिलेंगे

रायपुर। मनरेगा श्रमिकों को 1 अप्रैल 2022 से प्रतिदिन 204 रूपए की मजदूरी मिलेगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए राज्यवार प्रतिदिन मजदूरी की दर का राजपत्र में प्रकाशन कर दिया गया है। मनरेगा के तहत काम करने वाले अकुशल हस्त कर्मकारों हेतु छत्तीसगढ़ के लिए 204 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी तय की गई है। यह नई दर 1 अप्रैल 2022 से प्रभावी होंगी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 193 रूपए मजदूरी दर निर्धारित थी। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए इसमें 11 रूपए की बढ़ोतरी की गई है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खींचना ही नहीं फोटोज को सहेजना भी है जरूरी

छोटा या बड़ा कैसा भी अवसर हो उसकी यादों को सहेजने के लिए फोटो हम सभी खींचते ही हैं. स्मार्ट फोन के अवतार के बाद फोटो खींचना बहुत आसान हो गया है. पहले जहां किसी भी अवसर पर फोटो खींचने के लिए फोटोग्राफर को बुलाना पड़ता था, या फिर कैमरा खरीदना होता था फिर खींची गई फोटोज को देखने के लिए रील के धुलने का इंतजार करना पड़ता था वहीं आज मोबाइल से आप कहीं भी कितनी भी फोटोज खींच सकते हैं साथ ही इन्हें खींचने के तुरंत बाद ही देखा भी जा सकता है परन्तु इन्हें खींचना और देखना जितना आसान है सहेजना उतना ही मुश्किल क्योंकि मोबाइल यदि खराब हो गया या खो गया तो सारी फोटोज भी गुम हो जातीं हैं परन्तु यदि मोबाइल से ली गईं पिक्स को अच्छी तरह सहेज लिया जाए तो वे सालों साल आपके साथ रहेंगी.

कैसे सहेजे

मोबाइल में एक ही पोज और अवसर की अनेकों पिक्स होती हैं. आप माह में एक बार मोबाइल की गैलरी में जाकर सभी पिक्स को अच्छी तरह देखें और फिर जो भी फोटोज आपको सर्वश्रेष्ठ लगतीं हैं उन्हें छोड़कर शेष सभी को डिलीट कर दें. इससे एक तो आपकी गैलरी में स्पेस हो जाएगा दूसरे आपको अपनी श्रेष्ठ पिक्स भी मिल जाएंगी. यदि आपके दोस्तों या परिवारीजनों की पिक्स हैं तो उन्हें उनकी पिक्स भेजकर अपनी गैलरी को फ्री कर लें. ध्यान रखिये कि यदि मोबाइल से लंबे समय तक वीडियोज और पिक्स को न हटाया जाए तो स्पेस कम होने से मोबाइल की स्पीड कम हो जाती है और वह अक्सर हैंग करने लगता है.

कहां सहेजें

पिक्स को आप लेपटॉप, टैब और पेनड्राइव में तो सुरक्षित कर ही सकते हैं साथ ही आप मोबाइल की गूगल ड्राइव में भी फोटोज को सेव कर सकतेम हैं. मोबाइल से लेपटॉप और हार्ड डिस्क में भी इन्हें ट्रान्सफर किया जा सकता है. सभी फोटोज को अवसर के अनुकूल, या ट्रिप के अनुसार तिथि सहित अलग अलग फोल्डर में सहेजें ताकि आपको खोजने में परेशानी न हो मसलन यदि आप दीवाली की फोटोज लेपटॉप में डाल रहे हैं तो फोल्डर के ऊपर दीवाली 2021 अवश्य लिख दें ताकि आपको फोटोज को देखते ही तुरंत याद आ जाते. परिवार के सदस्यों के फोटोज अलग अलग फोल्डर में सेव करके नाम सहित सेव कर दें. आजकल बर्थडे, एनिवर्सरी जैसे अवसरों पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सअप आदि पर स्टोरी और स्टेटस डालने का फैशन है ऐसे में नाम सहित सेव होने से खोजना नहीं पड़ता.

यह भी रखें ध्यान

- एक बार सेव करने के बाद आगामी फोटोज को आप सम्बंधित फोल्डर में ही अपडेट करते रहें.
- यदि आप मोबाइल ठीक कराने जा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी फोटोज को पेनड्राइव या लैपटॉप में सहेज लें.
- फोटोज को सदैव छांटकर ही दूसरी ड्राइव में ट्रांसफर करें ताकि खोजने और देखने में आसानी रहे.
- यदि सम्भव हो तो अपने लैपटॉप में एक ड्राइव को फोटोज और वीडियो के लिए अलग कर लें.
- यदि आपके बच्चे भी आपके लैपटॉप और मोबाइल को यूज करते हैं तो आप एक पेनड्राइव में भी फोटोज को सुरक्षित कर लें.

मां-बाप की डांट से खुदकुशी क्यों?

18 साल की पूजा का अपनी बहन से किसी बात को ले कर झगड़ा हुआ. पूजा के मांबाप ने दोनों बहनों की बातचीत सुनी और पूजा को डांट लगाई कि छोटी बहन के साथ झगड़ा न करे. गुस्से में पूजा अपने कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया. घंटों गुजर जाने के बाद जब पूजा बाहर नहीं निकली और न ही कमरे का दरवाजा खुला तो पिता प्रदीप ने दरवाजा खटखटाया. अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर प्रदीप ने घर वालों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो देखा कि पूजा पंखे से लटकी हुई है. पुलिस आई और पूजा की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच आदि में लग गई. पूजा ने खुदकुशी कर एक बार फिर इस सवाल को खड़ा कर दिया कि मांबाप की डांटफटकार से नाराज हो कर बच्चे क्यों जान देने पर उतारू हो जाते हैं? पटना के कदमकुआं महल्ले की चूड़ी मार्केट के मिश्रा लेन में प्रदीप अपनी बीवी और 2 बेटियों के साथ रहते हैं. पूजा बीए पार्ट वन की स्टूडैंट थी. पिता की डांट से नाराज हो कर खुदकुशी कर उस ने अपने मांबाप और परिवार वालों को पुलिस व अदालत के चक्कर दर चक्कर लगाने की सजा दे दी. बेटी की मौत से आहत परिवार के लिए कानूनी पचड़ों में फंसना और भी ज्यादा तकलीफ देने वाला होता है.

कई लड़के इम्तिहान में कम अंक लाने की वजह से पिता से डांट खाने के बाद किसी पुल से नदी में छलांग लगा रहा है. किसी लड़के की मोटरसाइकिल या स्मार्ट फोन की फरमाइश पूरी करने से पिता ने मना कर दिया तो वह सल्फास की गोली खाने में जरा भी देरी नहीं करता है. लड़की के चक्कर में पड़ कर पढ़ाई पर ध्यान नहीं देने के लिए जब मांबाप किसी बच्चे को फटकार लगाते हैं तो कोई अपार्टमैंट की छत से कूद कर जान देता है तो कोई ट्रेन के आगे कूद कर. मांबाप की डांट से आहत या नाराज हो कर और बातबेबात खुदकुशी करने की वारदातें तेजी से बढ़ रही हैं.

आखिर इतना गुस्सा क्यों और कैसे होता है कि अपनी जिंदगी ही खत्म कर ली जाए? समाजशास्त्रियों का मानना है कि आम आदमी में सहनशक्ति में कमी आना, जरा से विरोध और डांट को प्रतिष्ठा का विषय बना लेना और समझौता करने की मानसिकता में कमी आने की वजह से बातबेबात खुदकुशी की वारदातें बढ़ रही हैं. मांबाप कोई भी गलत कदम उठाने से लड़केलड़कियों को रोकते हैं तो युवा खुदकुशी जैसा आत्मघाती कदम उठा लेते हैं.

पटना हाईकोर्ट के वकील अनिल कुमार सिंह कहते हैं कि खुदकुशी करने वाले यह सोचतेसमझते नहीं हैं कि खुद को मिटा कर वे क्या पा लेते हैं. खुदकुशी न तो किसी परेशानी का हल है और न ही यह हिम्मत वालों का काम है. यह तो साफ-साफ कमजोरों की गलत और गैरकानूनी हरकत है. खुदकुशी कर बच्चे अपने मांबाप को जिंदगी भर रोने और कोर्ट के चक्कर लगाने के लिए छोड़ जाते हैं. वे एक मिनट भी यह नहीं सोचते हैं कि उन की गलत हरकत से उन का परिवार कितनी बड़ी मुसीबत में फंस सकता है.

बच्चे यह नहीं समझते हैं कि उन के मां बाप उन्हें डांट फटकार उन के ही भले के लिए लगाते हैं. उन की कमियों को दूर करने, उन्हें अच्छा और कामयाब इंसान बनाने, उन्हें सही रास्ते पर लाने और उन की गलत हरकतों को छुड़ाने के लिए ही वे बच्चों को डांट फटकार लगाते हैं. कोई बच्चा अगर पढ़ाई-लिखाई के समय को बरबाद करता है तो अभिभावक को गुस्सा आना जायज है. मां-बाप अपने बेटे को बड़ा अफसर बनाना चाहते हैं. उन्हें कामयाब होते देखना चाहते हैं. बच्चों को राह से भटकते देख कर ही वे डांट लगाते हैं.

पटना के एक सरकारी स्कूल की टीचर रेखा पोद्दार कहती हैं कि बच्चों के पढ़ाई में ध्यान नहीं देने, किसी विषय में कम अंक आने या फेल होने पर अभिभावक को बच्चों के साथ सख्त रवैया नहीं अपनाना चाहिए. बढ़ती उम्र के बच्चों का मन बहुत ही कोमल व अपरिपक्व होता है, ऐसे में उन से कोई गलती होने पर ठंडे दिमाग और प्यार से समझाना चाहिए. यह तरीका पिटाई और डांट से ज्यादा कारगर होता है.

अभिभावक के सख्त रवैए से डर कर या नाराज हो कर ही बच्चे खुदकुशी करने जैसा गलत तरीका अपना रहे हैं. हर बड़ेछोटे शहर में खुदकुशी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. इस के पीछे की सब से बड़ी वजह क्या है? कोई इसे कच्ची उम्र की वजह बताता है तो कोई तेजी से बदलती जीवनशैली को. कोई बच्चों के प्रति उन के अभिभावकों की लापरवाही व उपेक्षा को दोष देता है तो कोई बच्चों में हर चीज को तुरत-फुरत पाने के उतावलेपन को जिम्मेदार ठहराता है. परिवार के लोगों के बीच बढ़ती संवादहीनता को कोई खुदकुशी की बड़ी वजह करार देता है.

मनोविज्ञानी अजय मिश्र कहते हैं कि आज के युवा जरा सी डांट फटकार या किसी नाकामी को इज्जत का सवाल बना लेते हैं और उस के बाद उन्हें जीवन ही बेकार लगने लगता है. ऐसे लोग खुदकुशी कर अपने जीवन को खत्म कर लेते हैं पर अपने परिवार वालों के लिए समाज में अपमान और आंसू छोड़ जाते हैं. खुदकुशी करने से पहले युवाओं को ठंडे दिमाग से यह सोचना चाहिए कि खुदकुशी किसी भी समस्या का हल नहीं है. समस्या से लड़ कर ही उस का हल निकाला जा सकता है, न कि उस से भाग कर. खुदकुशी करने वाले अपने परिवार वालों के लिए कई मुसीबतें और समस्याएं छोड़ जाते हैं.

पिछले साल 25 अक्तूबर को पटना में 21 साल की लड़की आर्या की खुदकुशी के बाद से उस के परिवार वाले पुलिस, अदालत, वकीलों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं. आर्या के मां और पिता दोनों नौकरी करते हैं और अब वे जबतब काम से छुट्टी ले कर थानाकचहरी के चक्कर लगा रहे हैं. रिश्तेदारों और पड़ोसियों की तिरछी नजरों का सामना नहीं कर पा रहे हैं.

रिटायर्ड पुलिस अफसर आर के सिंह कहते हैं कि बच्चों और अभिभावकों के बीच तालमेल की कमी से न बच्चे अपने मांबाप से खुल कर बातें कर पाते हैं न ही मांबाप के पास बच्चों की दिक्कतों को सुनने व समझने की फुरसत है. ऐसे हालात में तो बच्चे सही और गलत के बारे में सोचे बगैर ही कोई फैसला ले लेते हैं. आज बच्चों की तुनकमिजाजी आम होती जा रही है. जरा सी उन के मन के लायक बात नहीं हुई तो उन का पारा सातवें आसमान पर जा पहुंचता है.

इस तरह की ढेरों वारदातें हमारे आसपास घटित हो रही हैं. खेलने और पढ़ने की उम्र में बातबेबात किसी की जान लेने, खुदकुशी करने की वारदातें इतनी तेजी से बढ़ रही हैं कि हर परिवार भय के माहौल में जीने लगा है. पता नहीं कब किस बात पर उन का बच्चा कोई गलत कदम उठा ले. मासूमों में आखिर इतना गुस्सा कैसे बढ़ गया है कि वे जान लेने या जान देने में जरा भी नहीं हिचकते हैं. ऐसे मामलों को रोकने के लिए कानून से ज्यादा अभिभावकों को समझने और समझाने की जरूरत है.

10 बेबी स्किन केयर टिप्स

बच्चे की स्किन वयस्कों की तुलना में 3 गुना ज्यादा सैंसिटिव और कोमल होती है. यही वजह है कि उन की स्किन पर अकसर रैशेज, दाने या ड्राइनैस की समस्या आ जाती है. मां के गर्भ के बाहर आने के बाद बच्चे की स्किन नए वातावरण में खुद को एडजस्ट करने की कोशिश कर रही होती है. इसी वजह से शिशुओं की स्किन को अतिरिक्त देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता होती है. ऐसे में बेबी की स्किन की केयर करने में कई बातों का खास ध्यान रखना होता है जैसे:

सूरज की रोशनी

जन्म के शुरुआती दिनों में बेबी को डाइरैक्ट सनलाइट में ले कर नहीं आना चाहिए. इस से बच्चों को सनबर्न हो सकता है. अगर आप कहीं बाहर जा रहे हैं और बच्चा लंबे समय तक धूप में रहने वाला है तो उसे पूरी बांह के कपड़े, फुल पैंट पहनाएं और कैप लगाएं, साथ ही बाकी खुले हुए हिस्सों में बेबी सेफ सनस्क्रीन लगाना बेहतर रहेगा.जब बच्चा बड़ा हो जाए तो उसे कुछ समय के लिए धूप में ले जाया जा सकता है. इस से विटामिन डी मिलता है.

कॉटन के कपड़े पहनाएं

बच्चों को गरमी से रैशेज बहुत आसानी से हो जाते हैं क्योंकि उन की स्किन फोल्ड्स में पसीना बहुत ज्यादा आता है. इसलिए बच्चों को जितना हो सके कौटन के कपड़े पहनाने चाहिए. ये सौफ्ट, पसीना सोखने वाले और काफी कंफर्टेबल होते हैं. सिंथैटिक कपड़ों से बच्चों को ऐलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं.

मसाज जरूरी

यह बहुत जरूरी है कि आप नियमित रूप से बच्चे की मालिश करें. मालिश से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और इस से आप के बच्चे की स्किन बेहतर बनेगी. बच्चों की मालिश के लिए नारियल, सरसों, बादाम या जैतून के तेल को चुन सकती हैं. इस से उन की स्किन को पोषण मिलेगा और स्किन हाइड्रेट और मौइस्चराइज रहेगी.

मालिश से पहले तेल को कुनकुना कर लें. बच्चे की मसाज करते समय इस बात का ध्यान रखें कि कमरे का तापमान 280 सी से 320 सी के बीच होना चाहिए. हलके गरम कमरे में ही बच्चे की मसाज करें और ज्यादा से ज्यादा 5 से 7 मिनट तक ही करें.

साफ-सफाई पर दें ध्यान

अपने बच्चे को नियमित अंतराल पर वेट वाइप्स से साफ करें. उसे रोजाना नहलाने के बजाए आल्टरनेटिव दिनों में नहलाएं. स्पौंज बाथ ज्यादा दें. अगर बच्चा बहुत ही छोटा है तो उसे हफ्ते में 3 बार केवल स्पौंज बाथ दें और 4 बार

नौर्मल बाथ. स्पौंज बाथ देने के लिए एक स्पौंज या बहुत ही मुलायम कपड़े को कुनकुने पानी में भिगो लें. इस के बाद बहुत ही हलके हाथों से बेबी के पूरे शरीर को पोंछ लें. नहलाने के लिए एक जैंटल कैमिकल फ्री क्लींजर या बेबी बौडी वाश चुनें जो स्किन को कोमल और स्वस्थ रखने में मदद करता हो. रोजाना सफाई करने से आप के बच्चे को किसी तरह का इन्फैक्शन आदि नहीं होता खासकर जाड़े में अधिक कपड़े पहनने की वजह से पसीने के कारण बच्चे की स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं. नहाने से बंद हुए छिद्रों को खोलने में मदद मिलती है. बौडी के पोर खुलने से बच्चा फ्रैश महसूस करेगा. सर्दियों में बच्चे को 5 मिनट से ज्यादा न नहलाएं.

ज्यादा गरम पानी से न नहलाएं

कई बार माताएं यह गलती करती हैं कि ठंड के मौसम में शिशु को सर्दीजुकाम के खतरे से बचाने के लिए बहुत गरम पानी से नहला देती हैं. मगर याद रखें कि गरम पानी शिशु की स्किन के लिए नुकसानदेह हो सकता है. इसलिए सादे पानी में थोड़ा सा गरम पानी मिला कर शिशु को नहलाएं.

सॉफ्ट टौवेल ही यूज करें

नहलाने के बाद बेबी की स्किन को बहुत ही सॉफ्ट टौवेल से पोंछ लें. यह जरूर ध्यान रखें कि आप जिस भी टौवेल का यूज करें वह मुलायम होने के साथसाथ साफ भी हो. एक बात का और ध्यान रखना चाहिए कि उस के कपड़े माइल्ड डिटर्जैंट से ही धोने चाहिए. वयस्कों के डिटर्जैंट में कई हानिकारक कैमिकल्स होते हैं जो बच्चे के कपड़ों पर रह सकते हैं. इस से बच्चे की स्किन पर इरिटेशन या रैशेज हो सकते हैं.

स्किन को 2 बार लोशन से मौइस्चराइज करें

नहलाने और स्किन को टौवेल से पोंछने के बाद बच्चे की स्किन को मौइस्चराइज करने की जरूरत होती है. बेबी की स्किन बहुत जल्दी ड्राई हो जाती है. इसलिए उसे लगातार हाइड्रेट रखने की जरूरत होती है. बेबी की स्किन पर दिन में 2 बार मौइस्चराइज, बेबी क्रीम या मिल्क लोशन अप्लाई किया जा सकता है. एक बार नहाने के तुरंत बाद और दूसरी बार शाम के समय. यहां यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मौइस्चराइजर अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए. इस में मुख्य रूप से पानी के अलावा प्रोपिलीन ग्लाइकोल होना चाहिए. प्रोपिलीन बच्चे की नाजुक स्किन को मुलायम और नर्म बनाए रखता है.

डायपर रैशेज का रखें ध्यान

छोटे बच्चे को डायपर से जल्दी रैशेज हो जाते हैं क्योंकि उस की स्किन बहुत कोमल और संवेदनशील होती है. इसलिए अपने बच्चे को कस कर या बहुत लंबे समय तक डायपर पहना कर न रखें. डायपर से अगर रैशेज हो भी गए हों तो उसे खुला रहने दें और बेबी पाउडर लगाएं. इस से बच्चे को आराम मिलेगा. बहुत देर तक उसे गीले डायपर में न रहने दें. रैशेज वाली जगह पर नारियल का तेल भी लगा सकती हैं. यह फंगल इन्फैक्शन होने से रोकता है और बच्चे की स्किन को राहत पहुंचाता है. बच्चे के लिए ऐसे डायपर का चुनाव करें जो सॉफ्ट और ज्यादा सोखने वाला हो.

सही उत्पाद करें इस्तेमाल

शिशु की स्किन बड़ों से बहुत अलग होती है, इसलिए उस की स्किन की जरूरतें भी अलग होती हैं. अगर आप शिशु की स्किन पर बड़ों के लिए इस्तेमाल होने वाले उत्पादों का इस्तेमाल करेंगी तो उस की स्किन को नुकसान पहुंच सकता है. बाजार में बच्चों के लिए अलग से साबुन, क्रीम, पाउडर और मौइस्चराइजर उपलब्ध होते हैं, जिन का इस्तेमाल आप शिशु के लिए कर सकती हैं.

कंगना जल्द ही अपने सोलो डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट की करेंगी अनाउंसमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट अपने सोलो डायरेक्शन वाले प्रोजेक्ट के अनाउंसमेंट की तैयारी कर रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कंगना ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मैं जल्द ही अपने सोलो डायरेक्शन वाले प्रोजेक्ट की घोषणा करूंगी। इस प्रोजेक्ट को मैं ही प्रोड्यूस करूंगी और मैं ही लीड रोल भी प्ले करूंगी। मणिकर्णिका द क्वीन ऑफ झांसी को क्रिष जगरलामुड़ी के साथ मिलकर डायरेक्ट किया था। यह फिल्म झांसी की रानी लक्ष्मी बाई की लाइफ पर बेस्ड थी। फिल्म में लक्ष्मी बाई का किरादार खुद निभाया था।

जॉन अब्राहम की अटैक को सेंसर बोर्ड से मिला यूए सर्टिफिकेट

जॉन अब्राहम की अटैक को सेंसर बोर्ड से यू.ए. सर्टिफिकेट मिला है। यह फिल्म 2 घंटे 13 मिनट की है। इस बात की जानकारी फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। अटैक 1 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में जॉन के अलावा रकुल प्रीत सिंह और जैकलीन फर्नांडिस हैं।

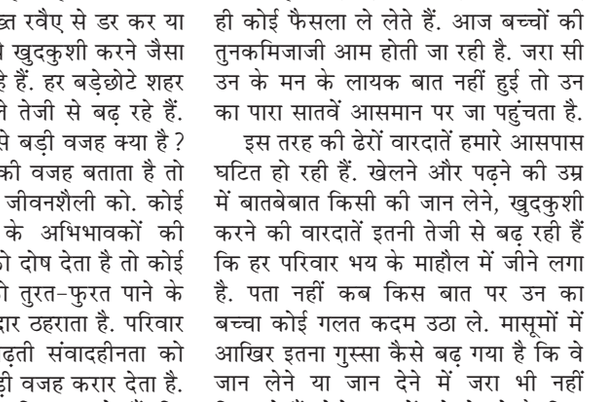

खास खबर

तनाव मुक्त परीक्षा पर होने वाले उदबोधन के लिए केन्द्रीय विद्यालय के बच्चे उत्साहित

दुर्ग। केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में प्रधानमंत्री के आगामी परीक्षाओं के संबंध में होने वाले उदबोधन को लेकर काफी उत्सुकता आज दिखी। यहां पढ़ रही कक्षा बारहवीं की आस्था उईके ने बताया कि उसने अपने सभी साथियों तथा संपर्क वालों से कार्यक्रम से जोड़ने का आग्रह किया है। लुभानी चौहान ने बताया कि वह इस बात को सोचकर बहुत रोमांचित है कि विद्यार्थियों की समस्या के संबंध में प्रधानमंत्री स्वयं चर्चा करेंगे। अरुणिमा अनिरुद्ध सिंह आफ्रिन आशी देवेश पांडे शैलेश दुबे आदि छात्रों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री के परीक्षा संबंधी विचारों और प्रेरक प्रसंगों को सुनने के लिए बहुत ही उत्सुक हैं। आज इस संबंध में कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में केंद्रीय विद्यालय में चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तनाव मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा पर चर्चा को एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है परीक्षा पर चर्चा प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम का पांचवा संस्करण 1 अप्रैल 2022 को आयोजित होगा।

निगमायुक्त प्रकाश सर्वे ने 5 कर्मचारियों को दी पदोन्नति

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में कार्यरत 5 कर्मचारियों को निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने पदोन्नत किया है। निगमायुक्त ने कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए पदोन्नत आदेश जारी किया है। पदोन्नत होने वाले 5 कर्मचारी अब सहायक राजस्व निरीक्षक कहलाएंगे। महापौर नीरज पाल के निर्देश पर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने प्रमोशन के लिए विभागीय प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराया। महापौर, आयुक्त एवं कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई दी है। प्रमोशन मिलने के बाद कर्मचारियों ने निगम आयुक्त एवं अपर आयुक्त से मुलाकात कर पदोन्नति के लिए आभार व्यक्त किया। हेल्पर, सफाई कामगार और लाईनमेन से सहायक राजस्व निरीक्षक पद में पदोन्नति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में हृदय राम कौशिक, सुखराम यादव, दुर्योधन राम साहू, हरिओम गुप्ता एवं प्रवीण मोराने शामिल है। पदोन्नत होने के बाद से इनका पदनाम भी परिवर्तन हो गया है और ग्रेड पे में भी वृद्धि हुई है। पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद पदोन्नत होने वाले कर्मचारियों को 15 दिन के भीतर पदोन्नत पद पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। इस दौरान अधीक्षण अभियंता यूके धलेंद्र एवं जोशी, जोन आयुक्त पूजा पिल्ले, लेखा अधिकारी जितेंद्र ठाकुर, कार्यालय अधीक्षक तुलसी वृंदा देवांगन एवं रीता यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

भारत ही यूएई कंपनियों का गंतव्य है - पीयूष गोयल

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले एवं खाद्य तथा सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के व्यवसाय समुदाय को उन व्यवसाय अनुकूल नीतियों तथा अवसरों, जो उभरता भारत वैश्विक कंपनियों को प्रस्तुत कर रहा है, का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

गोयल ने कहा, ''भारत जिस प्रकार की लागत तथा विश्वास लाभ प्रस्तुत कर रहा है, उसे देखते हुए यह भारत में निवेश करने का सही समय है। साझीदारों के रूप में, हम एक दूसरे के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं तथा कोविड के बाद की दुनिया में हमारी साझीदारी को सुदृढ़ बना सकते हैं।''

गोयल दुबई में एक्सपो 2020 के भारत सम्मान दिवस समारोह के अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा ''मेरा मानना है कि हम अब आगे आने वाले वर्षों के दौरान वृद्धि तथा विकास के शिखर की ओर हैं। भारत प्रतिभा तथा निवेशक अनुकूल नीतियों को प्रस्तुत करता है। अधिकांश सेक्टरों में, एफडीआई 100 प्रतिशत खुला है। हमारे पास उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन स्कीम (पीएलआई) तथा मेक इन इंडिया नीति, व्यवसाय करने की सुगमता उपलब्ध कराने के हमारे प्रयास जैसे उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहलें हैं, जो कुल मिला कर हमारे लोगों के लिए जीवन जीने की सरलता प्रदान करेंगे।

गोयल ने कहा कि ''वैश्विक समुदाय को मैं कहता हूं, 'अवसरों की भूमि-भारत में आकर यहां का अनुभव लें।' आइये, हम एक साथ विकसित हों, एक साथ परिवर्तित हों, एक साथ रूपांतरित हों, क्योंकि एक साथ मिलकर हम किसी भी प्रकार की बाधा पर विजय प्राप्त कर सकते हैं और किसी की भी कल्पना से परे विशाल लक्ष्यों तथा टारगेट को हासिल कर सकते हैं।'' गोयल ने कहा कि नया भारत निडर और आत्म-विश्वास से भरपूर है जहां हम प्रत्येक भारतीय की समृद्धि देखना चाहते हैं। गोयल ने कहा, ''अगले 25 वर्षों में भारत एक मजबूत और समावेशी भारत का प्रतीक होगा।'' उन्होंने कहा, 'विश्वास' भारत-यूएई संबंध की व्याख्या करता है। गोयल ने कहा, ''हमारे संबंध जीवंत बने रहेंगे और मजबूती से आगे बढ़ते रहेंगे।'' गोयल ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान जिस विशेष साझीदारी को साझा करते हैं, वह ऐतिहासिक है। यह शाश्वत मित्रता का बंधन है जो विश्वास का प्रतीक है और हम अपनी अर्थव्यवस्थाओं की पूरक प्रकृति के कारण प्राकृतिक साझीदार हैं तथा बढ़ता व्यापार हमेशा उस तालमेल को प्रदर्शित करेगा जो दोनों देशों के बीच है और यह हमारे रिश्ते को और अधिक प्रगाढ़ बनाता जाएगा।'' उन्होंने यह भी कहा, ''हमारे साझा विजन, जिसने नए अवसरों को जन्म दिया है, में एक संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की स्थापना करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है।'' सरकार के सहयोग के मुद्दे पर, गोयल ने कहा कि दोनों ही सरकारें एक-दूसरे की सहायता करती हैं। उन्होंने कहा, ''कोविड के दौरान हम एक-दूसरे के लिए काम करने वाले भाई थे।'' गोयल ने कहा, ''व्यापक आर्थिक साझीदारी समझौता (सीईपीए) दोनों ही देशों के लोगों की भलाई के लिए हर प्रकार से लाभप्रद समझौता है। दुबई एक्सपो की अपार सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए गोयल ने कहा कि एक्सपो 2020 प्रतिकूल परिस्थितियों पर साहस की जीत है। उन्होंने कहा, 'इस एक्सपो को इतिहास में एक यादगार अध्याय के रूप में दर्ज किया जाएगा जहां दो भाई एक-दूसरे के करीब आए। यह संपन्न हो जाएगा लेकिन यादें हमेशा बनी रहेंगी। यह हमारे दोनों देशों की सामूहिक भलाई के लिए काम करने का प्रतीक साबित होगा।'' एक्सपो 2020, दुबई के सबसे बड़े तथा सर्वाधिक प्रतिष्ठित मंडपों में से एक भारत पैवेलियन में पिछले वर्ष एक अक्तूबर को इसके उद्घाटन के बाद से 1.6 मिलियन से अधिक लोग इसका अवलोकन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर महिला सशक्तिकरण पुरस्कार दिए जाने की घोषणा

लोधी समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बेमेतरा जिले के विकासखण्ड नवागढ़ के ग्राम संबलपुर मे आयोजित वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस समारोह में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नाम से छत्तीसगढ़ राज्य में महिला सशक्तिकरण पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की। यह पुरस्कार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 01 नवम्बर को प्रदान किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सम्बलपुर को नगर पंचायत का दर्जा देने की घोषणा करने के साथ ही सम्बलपुर में लोधी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपये दिए जाने का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री ने ग्राम गोढ़ीकला एवं खेड़ा में लोधी समाज के सामुदायिक भवन की भी घोषणा की। संबलपुर के शासकीय हाई स्कूल मैदान मे आयोजित समारोह में क्षेत्रीय विधायक एवं संसदीय सचिव श्री गुरुदयाल सिंह बंजारे, सुश्री साधना भारती, अंत्याव्यवसायी सहकारी वित्त विकास निगम की उपाध्यक्ष सुश्री नीता लोधी, लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलेश्वर वर्मा, जिला कमेटी के अध्यक्ष श्री बंशी पटेल सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम सन् 1857 की लड़ाई में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, मंगल पाण्डे का नाम प्रथम पंक्ति में आता है। सन 1857 वीरांगना अवंती बाई लोधी ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। सम्बलपुर में यह सभा वीरांगना रानी अवंती बाई अदम्य साहस और बलिदान को याद करने और उन्हें नमन करने के लिए आयोजित की गई है। रानी अवंती बाई लोधी महारानी लक्ष्मी बाई रानी दुर्गावती जैसी अनेक वीरांगनाएं स्त्रियों की शक्ति, साहस और क्षमता के प्रतीक है। महिलाएं जब भी अपने अधिकारों को पाने की जिद के साथ आगे बढ़ी है, तब-तब उन्होंने इतिहास रचा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के वीर सपूत शहीद वीरनारायण सिंह, गैंद सिंह नायक, गुण्डाधूर ने अंग्रेजों से लोहा लिया था। 17-18वीं शताब्दी में महिलाओं को घर से बाहर निकलना, युद्ध में भाग लेना साधारण बात नहीं थी। रानी अवंती बाई ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी। ऐसे वीरांगना को हम शत-शत नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की चौथी किश्त की राशि गुरुवार 31 मार्च को किसानों के बैंक खाते में अंतरित कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले खरीफ सीजन में 2540 रु. प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जायेगी। राज्य सरकार कोदो-कुटकी को 3 हजार रु. प्रति क्विंटल एवं रागी को 3377 रु. प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। 64 प्रकार के लघु वनोपज की खरीदी भी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। पशुओं की संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गांव-गांव में गौठान बनाये जा रहे हैं। गौ-मूत्र को खरीदने की व्यवस्था भी सरकार करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने भूमि की उर्वराशक्ति को बनाये रखने के लिए रसायनिक खाद के बदले वर्मी कम्पोस्ट खाद को अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गांव के गौठान को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की परिकल्पना के अनुरुप रुरल इंडस्ट्रियल पार्क के रुप में विकसित किया जा रहा है।

ज्योतिबा एवं सावित्री बाई फूले के संदेश को घर-घर तक पहुंचाएं : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में श्री सुखदेव पटेल के नेतृत्व में मरार पटेल समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने समाज सुधारक सावित्रीबाई फूले की जीवनी स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल कराने और राजनांदगांव जिले के गंडई में मरार समाज के भवन के लिए एक एकड़ भूमि तथा सामाजिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रूपए स्वीकृति के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मरार समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित भी किया।

मरार समाज के प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि ज्योतिबा फूले एवं सावित्रीबाई फूले ने समाज में शिक्षा का अलख जगाया और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके किए गए कार्य सभी समाजों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। श्री बघेल ने कहा कि उन्हें इस वर्ष ज्योतिबा फूले सम्मान से सम्मानित किया गया। यह उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। हम सबको ज्योतिबा फूले एवं सावित्रीबाई फूले के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर वर्ग तथा किसानों तथा श्रमिकों के सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। इसी कड़ी में 31 मार्च को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की दूसरी किस्त तथा तेंदूपत्ता संग्रहकों को बीमा राशि प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में पहला ऐसा राज्य है गोबर खरीदी की योजना शुरू की। अब गोबर खरीदी के बाद गोमूत्र भी खरीदने जा रहे हैं। इस अवसर पर शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, राजनांदगांव जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष नवाज खान सहित समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

28 दिनों में 56 माओवादियों का आत्मसमर्पण, 33 गिरफ्तार

पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के नक्सल विरोधी अभियान में लगातार मिल रही सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त कार्रवाई में माओवादी समाज की मुख्य धारा की तरफ लौटते हुए नजर आ रहे हैं। फरवरी माह के 28 दिनों में ही 56 नक्सलियों का आत्मसमर्पण पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान की सफलता स्वयं बयां कर रही है। इसके साथ ही 33 नक्सली इस अभियान में गिरफ्तार भी हुए और फरवरी माह में अलग अलग मुठभेड़ में 3 नक्सलियों की मौत भी हुयी है। नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस ने फरवरी माह में दंतेवाड़ा एवं बीजापुर जिले में कार्रवाई करके हुए 3 नग हथियार बरामद किया तथा 11 नग आईईडी जब्त कर उसे निष्क्रिय किया।

पुलिस उप महानिरीक्षक (नक्सल अभियान) से मिली जानकारी के अनुसार दंतेवाड़ा जिले में पुलिस को ये जानकारी मिली थी कि ग्राम बुरगुम के जंगल/पहाड़ियों में मलांगेर एरिया कमेटी सदस्य/ एरिया मिलिशिया कमाण्ड इंचार्ज अर्जुन उर्फ लखमा सोड़ी के साथ बड़ी संख्या में माओवादियों के जमा होने की सूचना मिली थी। रात 01.15 बजे पुलिस निरीक्षक श्री संतोष हेमला की अगुवाई वाली पुलिस पार्टी पर माओवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, पुलिस बल द्वारा किए गए जवाबी हमले में एक पुरूष माओवादी मारा गया जिसकी पहचान एरिया मिलिशिया कमाण्ड इंचार्ज अर्जुन उर्फ लखमा सोड़ी के रूप में की गयी।

इसी तरह से बीजापुर के ग्राम दुरधा मेट्टा के पहाड़ी जंगल में सशस्त्र माओवादियों के एकत्रित होने की सूचना पर पुलिस बल सर्चिंग करते हुए पहुंची थी। यहां पर 50-60 माओवादियों के दल ने एक साथ पुलिस बल पर फायरिंग शुरू कर दी। उप निरीक्षक श्री जितेन्द्र सोनी की अगुवाई में आत्मरक्षा हेतु पुलिस बल द्वारा भी फायरिंग की गयी।

फायरिंग बंद होने के बाद घटनास्थल की जांच करने पर 02 अज्ञात वर्दीधारी महिला माओवादियों का शव बरामद हुआ, इनमें से एक के पास 9 एमएम पिस्टल तथा दूसरी के पास 12 बोर की राइफल थी। पुलिस उप महानिरीक्षक (नक्सल अभियान) के अनुसार छत्तीसगढ़ में फरवरी माह में पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों की संयुक्त कार्रवाई में दंतेवाड़ा एवं बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से प्रत्येक वर्ग के लोग हो रहे लाभान्वित : मंत्री श्रीमती भेंड़िया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह के तहत जिला मुख्यालय बलरामपुर के हाईस्कूल ग्राउण्ड में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 280 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इनमें 263 हिन्दू एवं 17 ईसाई जोड़े शामिल थे, जिनका उनके रीति-रिवाज से विवाह संपन्न कराया गया। इस समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया नवविवाहित वर-वधुओं को आशीर्वाद देने पहुंची। उन्होंने नव दम्पतियों को सफल वैवाहिक जीवन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि आज काफी खुशी का दिन है, जहां हम 280 जोड़ों के विवाह के साक्षी बनने आये हैं। मुख्यमंत्री

कन्या सामूहिक विवाह योजना में सभी समाज के लोग जुड़ रहे हैं, जहां अनेकता में एकता देखने को मिल रही है तथा प्रत्येक वर्ग के लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह की अनुदान राशि को 15 हजार बढ़ाकर से 25 हजार रूपए कर दी गई है। गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार को बच्चों के बड़े होने पर शादी की चिंता सताती रहती है। इस योजना से विभिन्न वर्गों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने नवदम्पतियों से कहा कि आप लोग दो परिवारों को संवारने का काम करने वाले हैं। सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं रामानुजगंज विधायक श्री बृहस्पत सिंह ने सभी नव दम्पतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शादी एक पवित्र रिश्ता है, आप लोग एक-दूसरे पर भरोसा कर सुखी वैवाहिक जीवन यापन करें। संसदीय सचिव व सामरी विधायक श्री चिन्तामणी महाराज ने भी सभी नवदम्पतियों के वैवाहिक जीवन के सफल होने की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास कल्याण समिति की सभापति श्रीमती गीता सोनहा, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

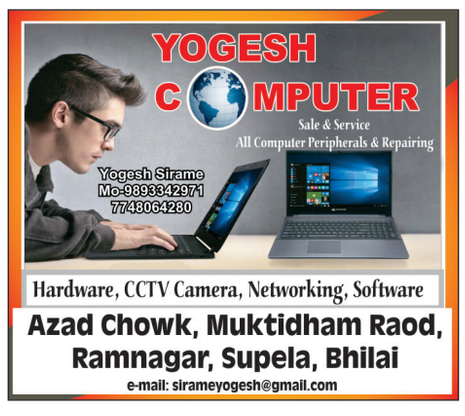

खास-खबर

महिला को गांव से बहिष्कृत करने के मामले में पुलिस ने बयान किया दर्ज

बिलासपुर (ए)। बकरी चोरी करने वाले युवक के परिवार को गांव से बहिष्कृत करने के मामले में कोटा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बुधवार को गांव जाकर पीड़ित महिला और सरपंच व अन्य लोगों से पूछताछ की गई। दोनों पक्षों का बयान दर्ज किया गया है। इस दौरान सरपंच ने 50 हजार रुपये जुर्माना और बहिष्कार की बात से इन्कार किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। सलका के रहने वाली चंद्रमति खुसरो(50) मजदूरी करती हैं। उनके पति जान सिंह की 15 साल मौत हो गई थी। महिला अपने दो बेटों और दो बेटियों के साथ रहती हैं। उन्होंने एसपी माथुर से शिकायत की थी कि 20 दिन पहले उसकेबड़े पुत्र तोरन सिंह(21) और उसके दोस्त महेश(30) ने बकरी चोरी की थी। इसका पता चलते ही चंद्रमति ने बकरी को उसके मालिक को सौंप दिया। इस बात को लेकर गांव के सरपंच भुवन सिंह जगत समेत अन्य लोगों ने पंचायत बुलाई। सभा में बकरी चोरी करने के लिए तोरन सिंह की जमकर पिटाई की गई। इसके बाद सरपंच ने 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया। चंद्रमति ने अपनी खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए रुपये देने से असमर्थता जताई। इससे नाराज सरपंच और उसके साथियों ने चंद्रमति को गांव से बहिष्कृत कर दिया। पूरे गांव में महिला से बातचीत करने पर रोक लगा दी गई है।

सरपंच के कहने पर कोटवार ने पूरे गांव में मुनादी कराई है कि चंद्रमति के परिवार के किसी सदस्य से बातचीत करने वाले पर 15 हजार जुर्माना लगाया जाएगा। महिला ने मंगलवार को जनदर्शन में एसपी पारुल माथुर से शिकायत की थी। दूसरी ओर इस मामले में कोटा पुलिस ने जांच करने की बात कही थी। बुधवार को पुलिसकर्मी जांच करने गांव पहुंचे। दोनों पक्षों से पूछताछ की। गांव वालों को समझाइश भी दी गई है। इस दौरान सरपंच ने 50 हजार रुपये जुर्माना और गांव से बहिष्कृत करने की बात से इन्कार किया।

नौकरी की तलाश में आए युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

बिलासपुर (ए)। नौकरी की तलाश में कवर्धा से शहर आए युवक की कोनी में बिलासा ताल के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर स्वजन को इसकी सूचना दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। कवर्धा में रहने वाला संजय केंवट (22) बेरोजगार था। सोमावर को वह काम की तलाश में बिलासपुर आया था। जरहाभाठा मंदिर चौक के पास परिचित के यहां वह अपने बैग को छोड़कर काम की तलाश में निकला था। मंगलवार को काम की तलाश में कोनी की ओर गया था। रात 02:30 बजे वह कोनी की ओर से पैदल जरहाभाठा की ओर आ रहा था। युवक बिलासा ताल के पास पहुंचा था। इसी बीच अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। चपेट में आए युवक को वाहन का चालक 10 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इसके बाद उसने वाहन रोका। वाहन के रुकते ही युवक का शरीर सड़क में गिर गया। इसके बाद चालक वाहन समेत भाग निकला। घटना की सूचना पर कोनी पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक की जेब से मिले आधारकार्ड से उसकी पहचान की गई। इसके बाद घटना की जानकारी स्वजन को दी गई। पुलिस ने शव सिम्स के चीरघर में भेज दिया। स्वजन की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की पहचान में जुट गई है।

बिलासपुर में ट्रेलर और कैप्सूल वाहन में भिड़ंत

चलती गाड़ी से कूदा चालक, एक की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में गुरुवार की तेज रफ्तार ट्रेलर और कैप्सूल वाहन में जबरदस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में ट्रेलर चालक चलती गाड़ी से कूद गया। इसके चलते उसे ज्यादा चोटें नहीं आई है। जबकि, कैप्सूल वाहन का चालक गंभीर रूप से घायल है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सिरगिट्टी थाने की है।

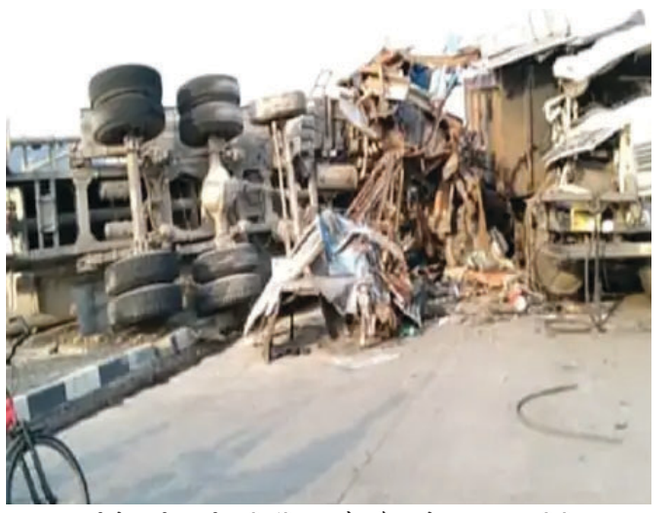

जानकारी के अनुसार गुरुवार की शाम रायपुर-बिलासपुर हाइवे में ट्रेलर रायपुर तरफ से मस्तूरी की ओर जा रही थी। सामने से कैप्सूल वाहन मस्तुरी तरफ से रायपुर की ओर जा रहा था। अभी दोनों वाहन सिलपहरी के पास पहुंचे थे। तभी दोनों में आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों वाहनों की रफ्तार काफी तेज थी। तभी अनियंत्रित होकर दोनों गाड़ियां आपस में टकरा गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे के दौरान ट्रेलर चालक नितिश यादव चलती गाड़ी से कूद गया। इसके चलते उसकी जान बच गई। टक्कर होने के बाद दोनों गाड़ियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है और उनके परखच्चे उड़ गए हैं। चालक नितिश के पैर में चोट लगी है। प्राथमिक उपचार के बाद वह मालिक को घटना की जानकारी देकर लौट गया है।

कैप्सूल चालक की हालत गंभीर

सिरगिट्टी झड्ढ सागर पाठक ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। कैप्सूल चालक सीट में फंसा हुआ था और बुरी तरह से जख्मी था। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका नाम चुन्नू मिलर बताया गया है और वह मूलत: बिहार के बक्सर का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों वाहन मालिक को भी हादसे की जानकारी दे दी है।

शिक्षा विभाग में गलत शपथ पत्र देने पर डीईओ ने किया कर्मचारी का सेवा समाप्त

बिलासपुर (ए)। परिवार में पहले से शासकीय नौकरी में होने के बाद भी अनुकंपा नियुक्ति का लाभ लेकर शिक्षा विभाग में सहायक ग्रेड-तीन की नौकरी करने वाले कोटा के राकेश जायसवाल की सेवा समाप्त कर दी गई है। बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी डीके कौशिक ने गलत शपथ पत्र देने के आरोप में यह कार्यवाही किया है।

शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम टेंगनमाड़ा कोटा निवासी राकेश कुमार जायसवाल पिता स्व. अमरेंद्र कुमार जायसवाल को अनुकंपा नियुक्ति सहायक ग्रेड-तीन के पद पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मिद्धू नवागांव कोटा में मिली थी।

अमरेंद्र कुमार जायसवाल का कोरोना के दौरान निधन हो गया था, उनके स्थान पर इन्हें नियुक्ति दी गई थी। अनुकंपा नियुक्ति में नियम है कि यदि पूर्व से ही परिवार को यदि अनुकंपा नियुक्ति हासिल करने वाले कोई सदस्य शासकीय सेवा में है,तो अन्य किसी सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता नहीं होगी, लेकिन राकेश ने शपथपत्र प्रस्तुत किया कि उनके परिवार में कोई शासकीय सेवा में नहीं है। बाजारपारा कोटा निवासी विकास अग्रहरी ने मामले पूरे मामले को लेकर जिला शिक्षा विभाग में इसकी शिकायत कर दी। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने शिकायत के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दिय। राकेश से जवाब भी मांगा गया। इसके जवाब में राकेश ने बताया कि भाई अलग रहता है। बकायदा शपथ पत्र भी बनवा लिया था। राशन कार्ड भी अलग है। इस जवाब से साफ हो गया कि पहले से परिवार में भाई शासकीय नौकरी में है, इसे आधार मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डीके कौशिक न राकेश कुमार जायसवाल की सेवा समाप्त कर दी।

आत्मानंद स्कूल में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। गड़बड़ी की जांच का जिम्मा उन्हें दे दिया गया है, जिनके कार्यकाल में ये प्रतिनियुक्ति हुई है। जांच अधिकारी बिलासपुर, कोरबा को छोड़कर अन्य जिले की जांच कर रहे हैं। बिलासपुर में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति और खरीदी मामले के अब कागज तैयार कराए जा रहे हैं। दोबारा कागज बनाकर प्राचार्यों से हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि ऐसे दस्तावेज में हस्ताक्षर करने वाले प्राचार्यों पर भी गाज गिरेगी। प्रतिनियुक्ति के अलावा खरीदी बिक्री में भी गड़बड़ी के संकेत मिले हैं।

इसके अलावा सीधी भर्ती में नियुक्ति मामले में गड़बड़ी को लेकर दो शिक्षक पहले से गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस की जांच आगे नहीं बढ़ रही है। संयुक्त संचालक कार्यालय में पुलिस लगातार पूछताछ कर दस्तावेज लेकर गई है। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई प्रगति रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

युवक ने पत्नी का कुल्हाड़ी से काटा गला, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर (ए)। जगदलपुर में घरेलू विवाद को लेकर युवक ने अपनी पत्नी का कुल्हाड़ी से गला काट दिया है। आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिस कुल्हाड़ी से युवक ने पत्नी की हत्या की थी उसे भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि बुधवार को आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामला जिले के करपावंड थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, धनपुर जामगुड़ा पारा का रहने वाला हेमराज यादव 10 साल पहले मंगलदई के साथ शादी किया था। शादी के बाद से ही दोनों के बीच किसी न किसी बात को लेकर घरेलू विवाद होता रहता था। युवक अपनी पत्नी की पिटाई भी करता था। मंगलवार को भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इतने में गुस्से में युवक ने घर में रखे कुल्हाड़ी से पत्नी का गला काट दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि जिस समय दोनों के बीच विवाद हुआ था उस समय घर में पति-पत्नी के अलावा और कोई नहीं था। हत्या कर युवक फरार हो गया था। हत्या की जानकारी पड़ोस में रहने वाली महिला ने मृतिका के पिता को दी। मौके पर पहुंचे मृतिका के पिता ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे जवानों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया था। वहीं पुलिस ने चंद घंटों में ही आरोपी का पता लगाकर गिरफ्तार कर लिया। जिसे बुधवार को सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

दुर्ग से प्रयागराज जा रही यात्री बस से गांजा तस्करी ड्राइवर-कंडक्टर फरार, 20 किलो गांजा बरामद

पेंड्रा (ए)। गांजा तस्करी के लिए छत्तीसगढ़ कॉरिडोर बनता जा रहा है। ड्रग्स माफिया तस्करी के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पुलिस ने बुधवार देर रात एक यात्री बस में गांजा पकड़ा है। यह बस दुर्ग से प्रयागराज जा रही थी। बस रुकवाते ही चालक और कंडक्टर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली कि तिवारी ट्रैवेल्स की स्लीपर बस में कुछ लोग यात्री बनकर गांजा तस्करी कर रहे हैं। इस पर पुलिस ने अमरपुर के पास देर रात बस को रुकवा लिया। तलाशी के दौरान बस में दो बैग गांजे से भरे हुए मिले। इसी बीच मौका पाकर ड्राइवर और कंडक्टर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने बस को जब्त कर लिया और यात्रियों सहित थाने ले आए। बरामद गांजा करीब 20 किलो बताया जा रहा है। यात्रियों से पूछताछ के दौरान पता चला कि अधिकतर बिलासपुर से बस में चढ़े थे। यात्रियों को भी पुलिस ने नहीं जाने दिया और सारी रात थाने में रोके रहे। फिलहाल यात्रियों से पूछताछ के बाद उन्हें गुरुवार सुबह उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया है। हालांकि वहां से कोई साधन नहीं मिलने के कारण यात्री परेशान होते रहे।

पांच पटवारी सहित बरपाली तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस

कोरबा। कलेक्टर रानू साहू ने बुधवार को बरपाली तहसील कार्यालय का किया औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लंबित राजस्व प्रकरण की भरमार पाए जाने पर पांच पटवारी सहित तहसीदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। तहसील कार्यालय बरपाली में उस समय हड़कंप मच गया जब कलेक्टर साहू औचक निरीक्षण के लिए कार्यालय पहुंची। उन्होंने फौती, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि के लंबित राजस्व प्रकरणों की जानकारी मौके पर मौजूद तहसीलदार से ली। उन्होंने आरई और पटवारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने की बात कही। कलेक्ट साहू ने तहसील कार्यालय में लंबित प्रकरणों का अवलोकन किया।

जेठ ने दो बार जान से मारने की धमकी देकर बनाया संबंध, मना करने पर भी नहीं माना, गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। जांजगीर जिले में शादीशुदा महिला से रेप का मामला सामने आया है। महिला के जेठ पर ही उससे रेप करने का आरोप है। महिला ने इस मामले में पुलिस से शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सारागांव थाना क्षेत्र का है।

इस केस में पीड़ित महिला ने शिकायत की थी। अपनी शिकायत में उसने बताया कि 22 सितंबर 2021 को वो घर पर अकेली थी। इसी दौरान उसका जेठ विश्वनाथ प्रजापति (37) घर आया और उससे रेप किया। महिला ने कहा कि मैंने उसे काफी रोका। मगर वह नहीं माना। इसके बाद उसने उसे डराया धमाकाया। कहा किसी को अगर इस बात की जानकारी दोगी तो मैं तुम्हें मार डालूंगा।

महिला ने बताया कि उस घटना के बाद उसने शर्म के कारण किसी से यह बात नहीं बताई। वह काफी डरी भी हुई थी। इस बीच 8 मार्च को भी विश्वनाथ ने ऐसा ही किया। उस दिन भी महिला घर पर अकेली थी। दोनों बार रेप करने के बाद भी वह उससे बार-बार संबंध बनाने के लिए परेशान करता था। जिसकी वजह से महिला परेशान हो गई थी। इस वजह से उसने पूरे मामले की शिकायत थाने में की थी। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने अब आरोपी विश्वनाथ निवासी अफरीद को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available
(Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. __- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
● गाऊन
● ब्रा. पेन्टी
● नाईटी
● ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दुर्ग, दिनांक 23.03.2022

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
प्रथम आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर दिनांक 11.04.2022 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
394/95914	उपसंभाग क्र. 03 दुर्ग के अंतर्गत जमा कार्य, विशेष मरम्मत एवं वार्षिक संधारण अंतर्गत सड़क, भवन एवं पुल कार्य	180.42

टीप :-
1. एनआईटी क्र. 394 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग से संबंधित है.
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है.
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें.

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

जी-69052/5

न्याय के नए अध्याय रचता
छत्तीसगढ़ मॉडल

31 मार्च, 2022 को

वितरण

राजीव गांधी किसान न्याय योजना की वर्ष की अंतिम किस्त

20.58 लाख किसानों के खातों में 1,029.31 करोड़ रुपए

विगत 2 वर्षों में 11,180.97 करोड़ का भुगतान

बढ़ी पैदावार, बढ़ा खेती का रकबा और फसलों की बढ़ी विविधता

वितरण

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मज़दूर न्याय योजना की दूसरी किस्त

3.55 लाख हितग्राहियों को 71.08 करोड़ रुपए

वितरण

गोधन न्याय योजना

गोबर खरीदी की ₹13.62 करोड़ रुपए

पशुपालकों, स्व सहायता समूहों एवं गौठान समितियों को अब तक 226.18 करोड़ रुपए का भुगतान

नए रोजगार के अवसर, जैविक खेती को मिल रहा बढ़ावा

वितरण

शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना

728 तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को बीमा राशि 10.91 करोड़ रुपए

शुभारंभ

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना

नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट

योजना के तहत अब तक 17 लाख लोगों का उपचार

शुभारंभ

विकेन्द्रीकरण से सुदृढ़ प्रशासन

4 नए अनुभाग एवं 23 नयी तहसीलों का गठन

शुभारंभ

समय बाह्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा हेतु ऑनलाइन पोर्टल

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-31926/77

सेवा-जतन-सरोकार, छत्तीसगढ़ सरकार

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950